मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 7 अंक 196
शनिवार, 01 फरवरी 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

राहुल गांधी की केजरीवाल को चुनौती, यमुना छोड़िए, दिल्ली की झुग्गियों का नार्मल पानी पीकर दिखा दीजिए

नई दिल्ली, 31 जनवरी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली चुनाव को लेकर मादीपुर में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित किया। अपने संबोधन के शुरूआत में राहुल गांधी ने कहा कि कल आप देखेंगे कि वित्त मंत्री ब्रीफकेस लेकर जायेंगी। एक फोटो आएगी। फोटो में आपको एक भी दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग या अल्पसंख्यक व्यक्ति नहीं दिखेगा। 90 अधिकारी हैं जो कल बजट तैयार करेंगे। 90 में से 3 अधिकारी ओबीसी से हैं। उन्होंने कहा कि आपकी आबादी 50 फीसदी है और कल को बजट में 100 रुपए बांटे जाएंगे तो आपके अधिकारी सिर्फ 5 रुपए का फैसला लेंगे।

राहुल गांधी ने अरविंद केजरीवाल पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल की टीम में 9 लोग हैं। इस नेतृत्व टीम में कोई दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग या अल्पसंख्यक नहीं है। ये भी 2-3 फीसदी की पार्टी है। केजरीवाल ने 5 साल पहले कहा था कि वह यमुना का पानी पियेंगे, यमुना में डुबकी लगायेंगे। वह पानी की बोतल लेकर घूम रहे हैं और कह रहे हैं कि हरियाणा सरकार या किसी और ने इसे गंदा कर दिया है। केजरीवाल, जिम्मेदारी आपकी है। राहुल ने कहा कि केजरीवाल जी, आप यमुना का

पानी छोड़िए.. दिल्ली की झुग्गियों का नार्मल पानी पीकर दिखा दीजिए। राहुल ने दावा किया कि आपने कहा था कि यमुना को साफ करूंगा, लेकिन ऐसा कुछ नहीं किया। आपके शब्द खोखले हैं। उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाई विचारधारा पर आधारित है, हमारी लड़ाई अवसरवादी नहीं है। राहुल ने कहा कि नरेंद्र मोदी और आरएसएस के लोग सिर्फ आपका ध्यान भटकाने की कोशिश करते हैं। लेकिन जनता की समस्याओं के बारे में नरेंद्र मोदी, भाजपा या मीडिया के लोग कभी नहीं बोलते। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि प्रेस के मित्रों.. कभी टीवी पर विपक्ष को भी दिखा दिया कीजिए। ये टीवी पर सिर्फ नरेंद्र मोदी और अडानी-अंबानी को दिखाते हैं। इससे पहले राहुल गांधी ने विधानसभा चुनाव के प्रचार के बीच यमुना नदी के किनारे पहुंचकर नदी की स्थिति का जायजा लिया तथा पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उनका एक पुराना वादा याद दिलाते हुए कहा कि वह डुबकी कब लगाएंगे। राहुल गांधी ने यमुना नदी के किनारे पहुंचकर स्थिति का जायजा लेने का वीडियो बृहस्पतिवार को एक्स पर जारी किया।

वैश्विक अस्थिरता के माहौल में भारत विश्व के सामने आदर्श पेश कर रहा है: राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 31 जनवरी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक अस्थिरता के माहौल में भारत आर्थिक, सामाजिक और राजनैतिक स्थिरता का स्तम्भ बनकर विश्व के सामने आदर्श प्रस्तुत कर रहा है। मुर्मू बजट सत्र के पहले दिन संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा, वैश्विक अस्थिरता के वातावरण में भारत आर्थिक, सामाजिक और राजनैतिक स्थिरता का स्तम्भ बनकर विश्व के सामने आदर्श प्रस्तुत कर रहा है। चाहे जी7 समिट हो, क्वाड, ब्रिक्स, एससीओ हो या जी20, भारत के सामर्थ्य, नीति और नीयत पर पूरे विश्व ने भरोसा जताया है। राष्ट्रपति ने कहा, आज बड़े से बड़े वैश्विक मंच पर भी भारत अपने हितों को मजबूती के साथ आगे रखता है। जी20 का सफल आयोजन और दिल्ली डिक्लेरेशन इसका उदाहरण है। तीसरी ग्लोबल साउथ समिट, भारत आसियान समिट और भारत कैरीकॉम समिट में हमने ग्लोबल साउथ से जुड़े विषयों को अभिव्यक्ति दी है।

उन्होंने भुवनेश्वर में प्रवासी भारतीय दिवस के आयोजन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, प्रवासी भाई-बहनों की सुविधा-सहूलियत हमारी प्राथमिकता है, इसलिए छह नए दूतावास और चार नए वाणिज्यिक दूतावास खोलने का निर्णय लिया गया है। राष्ट्रपति ने कहा कि विश्व बंधु की छवि मजबूत करते हुए दुनिया में कई आपदाग्रस्त इलाकों में भारत ने तुरंत सहायता भरा हाथ बढ़ाया है।

मालेगांव विस्फोट केस में कोर्ट में पेश हुई साध्वी प्रज्ञा

नई दिल्ली, 31 जनवरी। पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में आज अदालत में पेश हुईं, जिसमें वह आरोपी हैं। इस दौरान साध्वी प्रज्ञा ने कहा कि मैं काफी बीमार थी। लेकिन अब 4-5 महीनों के बाद मैं बेहतर हूं इसलिए यहां आई हूं। कांग्रेस शासन के दौरान एटीएस ने मुझे प्रताड़ित किया था। इसके परिणामस्वरूप सिर में चोट लगी और मस्तिष्क में सूजन आ गई। उस चोट के कारण... मेरी दृष्टि क्षीण हो गई, मेरे मस्तिष्क में सूजन के कारण सुनने की शक्ति प्रभावित हुई।

इसलिए, मैं अदालत में उपस्थित हुआ... मैं एक 'संन्यासी' हूं, क्या उन्होंने मुझे व्यक्तिगत कारण से प्रताड़ित किया था , लेकिन उन्होंने देशद्रोह का वैश्विक प्रयास किया भारत को 'भगवा आतंक' का देश घोषित करें। बता दें कि मुंबई की एक विशेष अदालत ने वर्ष 2008 में मालेगांव बम विस्फोट मामले में आरोपी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर के पेश होने पर उनके खिलाफ जारी जमानती वारंट रद्द कर दिया। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से संबंधित मामलों की सुनवाई के लिए नियुक्त विशेष अदालत ने नवंबर 2024 में ठाकुर के खिलाफ वारंट जारी किया था क्योंकि वह कई बार अदालत के समक्ष पेश नहीं हुई थीं। अदालत वर्तमान में मुकदमे के अंतिम चरण में है और उसने सभी आरोपियों को रोजाना सुनवाई में उपस्थित होने का आदेश दिया था। ठाकुर अदालत में पेश हुईं और अपने वकील के माध्यम से जमानती वारंट रद्द करने का अनुरोध करते हुए एक अर्जी दायर की।

ठाकुर ने अपनी अर्जी में कहा कि वह अदालत में पेश होने में इसलिए असमर्थ थीं क्योंकि वह अस्वस्थ होने के कारण अस्पताल में भर्ती थीं। अदालत ने अर्जी स्वीकार करते हुए जमानती वारंट रद्द कर दिया।

दिल्ली में तकरार वाली नहीं, तालमेल वाली सरकार चाहिए: पीएम मोदी

नई दिल्ली, 31 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली चुनाव को लेकर द्वारका में एक जनसभा को संबोधित किया। नरेंद्र मोदी ने कहा कि दिल्ली में मतदान होने में अब बस पांच दिन बचे हैं। दिल्ली ने ठान लिया है कि आप-दा वालों को भगाना है, इस बार भारी बहुमत से भाजपा सरकार बनाना है। उन्होंने कहा कि भाजपा दिल्ली को जितना आधुनिक बनाना चाहती है, उसकी एक झलक यहां द्वारका में दिखती है। केंद्र सरकार ने यहां भव्य यशोभूमि का निर्माण करवाया, यशोभूमि की वजह से यहां द्वारका, दिल्ली के हजारों नौजवानों को रोजगार मिला है, यहां लोगों का व्यापार बढ़ा है। आने वाले समय में ये पूरा क्षेत्र एक प्रकार से स्मार्ट शहर होगा।

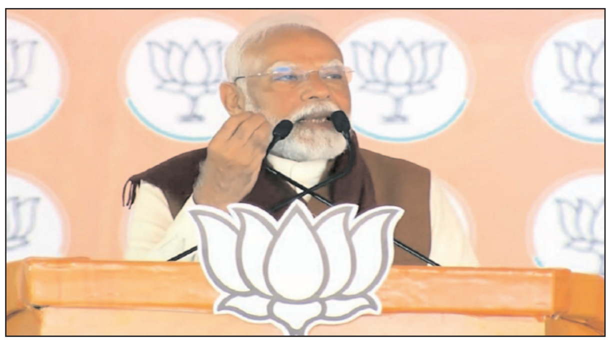

मोदी ने कहा कि दिल्ली को केंद्र और राज्य सरकार की डबल इंजन वाली सरकार चाहिए। आपने पहले कितने ही साल कांग्रेस को देखा, फिर दिल्ली पर आप-दा वालों ने कब्जा कर लिया। आपने मुझे देश की सेवा करने का बार-बार अवसर दिया है, अब आप मुझे डबल इंजन सरकार बनाकर दिल्ली की भी सेवा करने का मौका दें। उन्होंने कहा कि बीते 11 साल में आप-दा ने सबके साथ लड़ाई-झगड़ा ही किया है। ये केंद्र सरकार से लड़ते हैं, ये हरियाणा वालों के साथ लड़ते हैं, ये यूपी वालों के साथ लड़ते हैं, ये केंद्र सरकार की योजनाओं को लागू नहीं होने देते हैं। अगर दिल्ली में यही अअढ-दा वाले ही रहे, तो दिल्ली विकास में पीछे रह जाएगी और बर्बाद होती जाएगी।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि दिल्ली में तकरार वाली नहीं, तालमेल वाली सरकार चाहिए, ताकि मिलजुल कर दिल्ली की हर बड़ी समस्या का समाधान हो। हमें मिलकर दिल्ली को लूट और झूठ की आप-दा से मुक्त कराना है। उन्होंने कहा कि आप-दा वालों ने दिल्ली को अपनी राजनीति चमकाने का अळट बना दिया है। अअढ-दा वालों ने दिल्ली का पैसा निचोड़ लिया है, लूट लिया है। दिल्ली में घोटाले करके ये आप-दा वाले कालेधन से देश के दूसरे राज्यों में राजनीति चमकाते हैं।

मोदी ने कहा कि मेरा अपना तो कोई घर नहीं है, लेकिन मेरा सपना है कि मैं हर गरीब को पक्का घर दूं। लेकिन यहां की आप-दा सरकार पूरी ताकत से जुटी हुई है कि आपको पक्के घर न मिल पाएं। उन्होंने कहा कि अअढ-दा सरकार ने केंद्र सरकार के बनाए हुए हजारों घर दिल्ली के गरीबों को नहीं सौंपे हैं। अपने लिए करोड़ों का शीश महल बनवाने वालों को गरीब का ये दर्द कभी समझ नहीं आएगा। गरीबों के घर के लिए यहां भाजपा सरकार बननी जरूरी है।

उन्होंने कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि जैसे ही हम दिल्ली में सरकार बनाएंगे, हम आप-दा के भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। जिन लोगों ने दिल्ली को लूटा है, उन्हें जवाबदेह ठहराया जाएगा और जो कुछ उन्होंने लिया है उसे वापस करने को कहा जाएगा। विधानसभा के पहले सत्र में सीएजी रिपोर्ट पेश की जाएगी।

हिमाचल प्रदेश में पुलिस ने दो किलो से अधिक चरस जब्त की, दो गिरफ्तार

हिमाचल प्रदेश। नूरपुर पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से दो किलोग्राम से अधिक चरस बरामद की। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) अशोक रतन ने बताया कि यह अभियान मठोली क्षेत्र में चलाया गया। अभियान के दौरान चंबा जिले के मक्कन सनवाल गांव निवासी जगदीश और टेगा को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम की धारा 20 (भांग का पौधा और भांग से संबंधित अपराधों के लिए सजा) और धारा 29 (उकसाने का अपराध) के तहत मामला दर्ज किया है। एसपी ने बताया कि मामले की जांच जारी है और पुलिस क्षेत्र में नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए अभियान जारी रखेगी।

ममता कुलकर्णी को लेकर किन्नर अखाड़े में रार

लखनऊ। किन्नर अखाड़े के संस्थापक ऋषि अजय दास ने शुक्रवार को जारी एक प्रेस बयान में घोषणा की कि उन्होंने पूर्व बॉलीवुड अभिनेत्री ममता कुलकर्णी को अखाड़े से निष्कासित कर दिया है। ऋषि अजय दास ने महामंडलेश्वर लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी को भी किन्नर अखाड़े से निष्कासित कर दिया जिन्होंने कुलकर्णी को ऋषि दास की जानकारी के बिना महामंडलेश्वर नियुक्त किया था। ऋषि अजय दास ने कहा कि मैंने 13 अक्टूबर 2015 को उज्जैन (एमपी) में अपने आश्रम में किन्नर अखाड़े की स्थापना की। 2016 में उज्जैन में सिंहस्थ कुंभ में मेरे नाम पर जमीन आवंटित की गई थी। मैंने किन्नर अखाड़े की स्थापना की और उसका गठन किया। ऋषि अजय दास ने आगे कहा कि अखाड़े का संचालन आचार्य महामंडलेश्वर कर रहे थे। यह उस 'धर्म' और 'कर्म' की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरा जिसके लिए मैंने इसे स्थापित किया था। वह ठीक था। लेकिन ममता कुलकर्णी जैसी शख्सियत, जिनके खिलाफ देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है, उन्हें अचानक यहां लाया गया और बिना 'संन्यास' के सीधे महामंडलेश्वर पद पर उनका अभिषेक कर दिया गया। यह बात ठीक नहीं। इसलिए, मैं उनके खिलाफ कार्रवाई कर रहा हूं। दास ने कहा कि उन्होंने मनमाने ढंग से काम किया है ।

और 'धर्म' के अनुसार काम नहीं किया है। उन्होंने ऐसे व्यक्ति को महामंडलेश्वर बना दिया जो बिल्कुल भी योग्य नहीं था। बिना किसी नियम-कानून के उन्हें पद दे दिया गया. इसलिए, मैंने उनके निष्कासन की घोषणा की। पूर्व अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने 1990 के दशक में 'करण अर्जुन' और 'बाजी' जैसी हिट फिल्मों में अपने अभिनय से प्रसिद्धि हासिल की। प्रयागराज में महाकुंभ मेले के दौरान जहां वह पूजा-अर्चना करने पहुंची थीं, किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने घोषणा की कि उन्होंने महामंडलेश्वर के रूप में आध्यात्मिक भूमिका निभाई है। दूसरी ओर लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि केवल वे ही जो मेरे बोर्ड और सिस्टम का हिस्सा हैं, मुझे हटा सकते हैं। उन्होंने कुलकर्णी को शामिल किए जाने का बचाव करते हुए स्पष्ट किया, ॰ममता कुलकर्णी महामंडलेश्वर हैं और रहेंगी।

लोढ़ा बंधुओं के ट्रेडमार्क विवाद का मामला, बॉम्बे हाई कोर्ट ने मध्यस्थता का दिया आदेश

नई दिल्ली, 31 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति आरवी रवीन्द्रन को शुक्रवार को चार सप्ताह के भीतर 'लोढ़ा' ट्रेडमार्क के उपयोग पर विवाद को सुलझाने के लिए मध्यस्थ नियुक्त किया गया। ऐसा तब हुआ जब अभिषेक लोढ़ा और अभिनंदन लोढ़ा ने बॉम्बे हाई कोर्ट को बताया कि वे मध्यस्थता में जाने के लिए सहमत हैं। न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की पीठ ने एक आदेश में मध्यस्थता प्रक्रिया को चार सप्ताह में पूरा करने का निर्देश दिया। अगर यह सफल नहीं हुआ तो अदालती कार्यवाही शुरू होगी और इसकी सुनवाई की अगली तारीख 17 मार्च तय की गई है। अभिषेक लोढ़ा का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता जनक द्वारकादास ने मध्यस्थ न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रवींद्रन के नाम की

एक चिट अदालत को सौंपी। द्वारकादास ने कहा कि उन्होंने (अभिनंदन लोढ़ा) दो नाम दिए। हालांकि हम दोनों से सहमत हैं, लेकिन हमारी प्राथमिकता एक है। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रवींद्रन के नाम पर दोनों पक्ष सहमत थे और फिर उन्हें लोढ़ा बंधुओं के बीच ट्रेडमार्क विवाद में मध्यस्थता के लिए मध्यस्थ के रूप में नियुक्त किया गया। अभिषेक और अभिनंदन महाराष्ट्र के मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा के बेटे हैं। हालाँकि, चूंकि आनंद और नाइक, प्रवीण आनंद, अमीत नाइक और मधु गडोदिया जैसे विभिन्न वकीलों द्वारा प्रतिनिधित्व की गई कई कंपनियां और निदेशक थे, जो मुकदमे के पक्षकार हैं, वकील डेरस खंबाटा ने कहा, यह व्यर्थ की कवायद नहीं होनी चाहिए, इसलिए सभी पार्टियों को मध्यस्थता प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति दी जानी चाहिए।

हालाँकि जस्टिस डॉक्टर ने कहा कि यदि आपके पास दस लोग चर्चा कर रहे हैं तो संभवतः अधिक लोग पहिया में एक स्पैनर डाल देंगे। यदि यह दो भाइयों के बीच तय हो जाता है, तो क्या यह कंपनियों के बीच डोमिनोज प्रभाव के रूप में तय नहीं होगा? खंबाटा ने प्रस्तुत किया कि मैक्रोटेक एक सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी है और यह मध्यस्थता में तय किए गए फैसले से बाध्य नहीं है। मेरा मानना है कि कंपनियां मध्यस्थता प्रक्रिया में औपचारिक पक्ष हो सकती हैं।

कुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं की गाड़ी को ट्रक ने मारी टक्कर, 6 की मौत

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में शुक्रवार शाम को एक अनियंत्रित ट्रक ने प्रयागराज के महाकुंभ मेले से लौट रहे श्रद्धालुओं के एक वाहन को टक्कर मार दी, जिससे कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। हादसा नंदगंज थाने के पास कुसमी कला इलाके में हुआ। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के समय पिकअप वैन में लगभग 20 यात्री सवार थे। सभी घायलों को इलाज के लिए गाजीपुर मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है। जिलाधिकारी पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंच गए हैं और बचाव कार्य की निगरानी कर रहे हैं।

उधर, दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से भाग गया। इससे एक दिन पहले ही प्रयागराज में महाकुंभ के संगम क्षेत्र में भोर से पहले मची भगदड़ में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई थी और 60 लोग घायल हो गए थे। लाखों तीर्थयात्री मौनी अमावस्या के अवसर पर पवित्र डुबकी लगाने के लिए जगह की तलाश में थे।

शांति, संस्कृति एवं शिक्षा का महापर्व है बसंत पंचमी

-ललित गर्ग

बसंत पंचमी - 2 फरवरी, 2025

बसंत पंचमी या श्री पंचमी हिन्दुओं का प्रमुख सांस्कृतिक एवं धार्मिक त्यौहार है। इस दिन विद्या की देवी सरस्वती, कामदेव और विष्णु की पूजा की जाती है। यह प्रकृति के सौंदर्य, नई शुरूआत, और सकारात्मकता का उत्सव भी है। इस दिन देवी सरस्वती की पूजा से मन में शांति और ज्ञान का संचार होता है। यह पर्व हमें सिखाता है कि जीवन में शिक्षा, कला, सौन्दर्य और प्रकृति का सम्मान करना कितना महत्वपूर्ण है। शास्त्रों में बसंत पंचमी को ऋषि पंचमी से उल्लेखित किया गया है। प्राचीन भारत और नेपाल में पूरे साल को जिन छह ऋतुओं में बांटा जाता था उनमें बसंत लोगों का सबसे मोहक, मनोरम एवं मनचाहा मौसम था। बसंत पंचमी मन की, जीवन की, संस्कृति की, साहित्य की, संगीत की, प्रकृति की असीम कामनाओं का अनूठा एवं सौन्दर्यमय त्योहार है, जो हर वर्ष माघ मास में शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन मनाया जाता है। दूसरे शब्दों में बसंत पंचमी का दूसरा नाम सरस्वती पूजा भी है। माता सरस्वती को ज्ञान-विज्ञान, सूर-संगीत, कला, सौन्दर्य और बुद्धि की देवी माना जाता है। कहा जाता है कि देवी सरस्वती ने ही जीवों को वाणी के साथ-साथ विद्या और बुद्धि दी थी। इसलिए वसंत पंचमी के दिन हर घर में सरस्वती की पूजा की जाती है, मां सरस्वती की पूजा करने से मां लक्ष्मी और देवी काली भी प्रसन्न होती हैं। बसंत पंचमी के 40 दिन बाद होली का पर्व मनाया जाता है, इसलिए बसंत पंचमी से होली के त्योहार की शुरूआत मानी जाती है।

मान्यता है कि बसंत पंचमी को देवी सरस्वती का जन्म हुआ था। इसी दिन वह हाथों में पुस्तक, वीणा और माला लिए श्वेत कमल पर विराजमान होकर प्रकट हुई थीं। कहा जाता है कि देवी सरस्वती की पूजा सबसे पहले भगवान श्रीकृष्ण ने की थी। मां सरस्वती को बागीश्वरी, भगवती, शारदा, वीणावादनी और वाग्देवी सहित अनेक नामों से पूजा जाता है। देवी भागवत में उल्लेख है कि माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी को ही संगीत, काव्य, कला, शिल्प, रस, छंद, शब्द, स्वर व शक्ति की प्राप्ति जीव-जगत को हुई थी। इसीलिये मां सरस्वती को प्रकृति की देवी की उपाधि भी प्राप्त है। पद्मपुराण में मां सरस्वती का रूप प्रेरणादायी है। धर्मशास्त्रों के अनुसार मां सरस्वती का वाहन सफेद हंस है। यही कारण है कि देवी सरस्वती को हंसवाहिनी भी कहा जाता है। देवी सरस्वती विद्या की देवी हैं। देवी का वाहन हंस यही संदेश देता है कि मां सरस्वती की कृपा उसे ही प्राप्त होती है जो हंस के समान विवेक

धारण करने वाला होता है। केवल हंस में ही ऐसा विवेक होता है कि वह दूध का दूध और पानी का पानी कर सकता है। हंस दूध ग्रहण कर लेता है और पानी छोड़ देता है। इसी तरह हमें भी बुरी सोच को छोड़कर अच्छाई को ग्रहण करना चाहिए।

सफेद रंग शांति और पवित्रता का प्रतीक है। यह रंग शिक्षा देता है कि अच्छी विद्या और अच्छे संस्कारों के लिए आवश्यक है कि आपका मन शांत और पवित्र हो। सभी को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। मेहनत के साथ ही माता सरस्वती की कृपा भी उतनी आवश्यक है। मां सरस्वती हमेशा सफेद वस्त्रों में होती हैं। इसके दो संकेत हैं पहला यह कि हमारा ज्ञान निर्मल हो, विकृत न हो, अहंकारमुक्त हो। जो भी ज्ञान अर्जित करें वह सकारात्मक हो। दूसरा संकेत हमारे चरित्र को लेकर है। कोई दुर्गुण हमारे चरित्र में न हो। मां ने शुभ्रवस्त्र धारण किए हैं, ये शुभ्रवस्त्र हमें प्रेरणा देते हैं कि हमें अपने भीतर सत्य, अहिंसा, क्षमा, सहनशीलता, करुणा, प्रेम व परोपकार आदि सद्गुणों को बढ़ाना चाहिए और क्रोध, मोह, लोभ, मद, अहंकार आदि का परित्याग करना चाहिए। मां सरस्वती को पीले रंग प्रिय है, मान्यतानुसार पीला रंग सुख-समृद्धि और ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। पीला रंग बसंत पंचमी का मुख्य प्रतीक है। पीले रंग को सरस्वती मां का प्रिय रंग भी कहा जाता है। पीले फूलों को मां पर अर्पित किया जाता है। पीले रंग की साज-सज्जा की जाती है और पीले रंग के चावल माता को भोग में चढ़ाने शुभ माने जाते हैं।

बसंत पंचमी एक उत्सव ही नहीं बल्कि एक प्रेरणा भी है। बसंत पंचमी सिखाती है कि पुराने के अंत के साथ ही नए का सृजन भी होता है। असल में अंत और शुरुआत एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। बसंत ऋतु के आने से पहले पतझड़ का उदास मौसम होता है, लेकिन बसंत पंचमी के साथ ही बसंत ऋतु भी दस्तक देती है और बसंत ऋतु में पतझड़ से खाली हुए पेड़ पौधों में फिर से एक चमक, एक सुंदरता उतर आती है। जीवन का दस्तूर भी कुछ ऐसा ही है। पतझड़ की तरह खालीपन आता है लेकिन सब का दामन ना छोड़ें तो बसंत की बहार भी आती है। पूरे मन एवं आस्था से सरस्वती की पूजा एवं साधना करें ताकि आपकी वाणी मधुर हो, स्मरण शक्ति तीव्र हो, सौभाग्य की प्राप्ति हो, विद्या की प्राप्ति हो। सरस्वती पूजा से पति-पत्नी और बंधुजनों का कभी वियोग नहीं होता है तथा दीघार्यु एवं निरोगता प्राप्त होती है। इस दिन भक्तिपूर्वक ब्राह्मण के द्वारा स्वस्ति वाचन कराकर गंध, अक्षत, श्वेत पुष्प माला, श्वेत वस्त्रादि उपचारों से वीणा, अक्षमाला, कमण्डल, तथा पुस्तक धारण की हुई सभी अलंकारों से अलंकृत सरस्वती का पूजन करें।

बसंत पंचमी के साथ, बसंत ऋतु की शुरुआत होती है, जो फसलों की कटाई के लिए एक अच्छा समय है। फाग के राग की शुरुआत भी इसी दिन होती है। फाल्गुन का अर्थ ही है मधुमास। वो ऋतु जिसमें सर्वत्र माधुर्य ही माधुर्य हो, सौन्दर्य ही सौन्दर्य हो। वृक्ष नये पत्तों से सज गये हो, कलियां चटक रही हों, कोयल गा रही हो, हवाएं बह रही हो। ऐसे मधुर मौसम में सरस्वती पूजन वसंत की शुचिता एवं सिद्धि का प्रतीक है, एक ऊर्जा है, एक शक्ति है, एक गति है। लोकमन के आह्लाद से मुखरित वसंत ही महक और फाल्गुनी बहक के स्वर इसका लालित्य है, यही इस त्योहार की परम्परा का आह्वान है, यही इसका अलौकिक सौन्दर्य है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि भगवान ब्रह्मा ने इसी दिन ब्रह्मांड का निर्माण किया था। सृष्टि की रचना करके जब उन्होंने संसार में देखा तो उन्हें चारों ओर सुनसान निर्जनता एवं नीरसता ही दिखाई दी। वातावरण बिल्कुल शांत एवं नीरस लगा जैसे किसी की वाणी ही न हो। यह सब देखने के बाद ब्रह्माजी संतुष्ट नहीं थे तब ब्रह्माजी ने भगवान विष्णुजी से अनुमति लेकर अपने कमंडल से पृथ्वी पर जल छिड़का। जल छिड़कने के बाद एक देवी प्रकट हुई। देवी के हाथ में वीणा थी। भगवान ब्रह्मा ने उनसे कुछ बजाने का अनुरोध किया ताकि पृथ्वी पर सब कुछ शांत न हो। परिणामस्वरूप, देवी ने कुछ संगीत बजाना शुरू कर दिया। तभी से उस देवी को वाणी, वीणा और ज्ञान की देवी सरस्वती के नाम से जाना जाने लगा। उन्हें वीणावादिनी के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि देवी सरस्वती ने वाणी, बुद्धि, बल और तेज प्रदान किया। इसीलिये बसंत पंचमी का सांस्कृतिक और धार्मिक दोनों ही महत्व है। यह ज्ञान, संगीत, कला, सौंदर्यशास्त्र की देवी सरस्वती का त्योहार है। महाभारत के शांति पर्व में उन्हें वेदों की माता कहा गया है। वह अज्ञानता, अविद्या और अंधकार को दूर कर गर्मी, चमक, प्रकाश, माधुर्य, सद्भाव, पवित्रता और प्रसन्नता का संचार करती है।

डीपसिक, एक चैटबॉट ऐप का फायदा भी और खतरा भी!

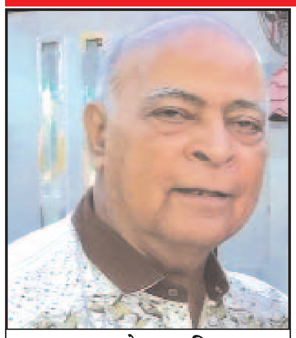

अशोक भाटिया

डीपसिक, एक चैटबॉट ऐप, कुछ ही दिनों में संयुक्त राज्य अमेरिका में लाखों डाउनलोड किया गया था, और एकमात्र चर्चा यह थी कि क्या यह एक संयोग था कि यह उस दिन हुआ था जब डोनाल्ड ट्रम्प ने संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभाला था। वास्तव में एक डिप्सिक क्या है? उसे इतना गलत क्यों लिखा जा रहा है? कृत्रिम बुद्धिमत्ता और विशेष रूप से अमेरिकी दिग्गजों के पेट में गांठ क्यों है? हजारों लोगों को करोड़ों रुपये का नुकसान कैसे हुआ? निकट भविष्य में और क्या होने वाला है? अगर हम यह सब नहीं जानते हैं, तो हमें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

ChatgPT, Google, Meta और अरबों डॉलर जैसे दिग्गजों को विकसित करने में लगने वाली तकनीक को चीनी डीपसिक ने कड़ी टक्कर दी है। कुछ ही महीनों में और छह मिलियन डॉलर के निवेश के साथ, डीपसिक दुनिया भर में मुफ्त में उपलब्ध हो गया है। दुनिया भर में पैसा बनाने के व्यवसाय को खोलने वाली तकनीक के स्वामित्व ने उनके सिर को घुटनों पर ला दिया है। दिग्गजों को भी एक ही दिन में करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। हम यहां से कैसे आगे बढ़ें? इस सवाल और विचार ने उसका सिर घुमा दिया है। क्या डिप्सिक एक चमत्कार नहीं है? यह बात लगातार उनके दिमाग में आ रही है।

केवल डेढ़ साल में, एक युवा चीनी उद्यमी ने दीपसीक को जन्म देकर एक विश्व तूफान खड़ा कर दिया है, जिसे लियांग वेनफेंग कहा जाता है। डीपसेक ने एक ऐसा कारनामा किया है जिस पर दशकों से शोध किया गया है, अरबों निवेश, सैकड़ों शोधकर्ता और कुशल श्रमिक चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। डीपसिक अमेरिकियों ने जल्दी से अपने मोबाइल फोन पर कब्जा कर लिया है और एक विश्व रिकॉर्ड बनाया है। स्वाभाविक रूप से, ऋ्ङ्क्ष्ङ्कँ्री, डस्त्रील्ल अकऔर टी३ं के शेयर गिर गए। कुछ ही घंटों में इन कंपनियों को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ। जैसे ही यह खबर दुनिया भर में फैलती है, भारत सहित अन्य देश भी डाउनलोड हो रहे हैं। डीपसिक की आंधी यहीं नहीं रुकेगी, बल्कि आने वाले दिनों में इसकी मार ऊपर बताई गई तीन कंपनियों समेत अन्य उद्योगों पर भी पड़ेगी। यह चैटबॉट्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ दुनिया भर में मनमाने ढंग से पैसा बनाने का विचार है, क्योंकि यह मुफ्त में उपलब्ध है, और आने वाले दिनों में, यह मामूली हो सकता है, या यह एक बार की आदत हो सकती है और फिर धीरे-धीरे पैसा कमा सकती है।

चीन संयुक्त राज्य अमेरिका का एकमात्र वास्तविक प्रतियोगी है, इसलिए यह अत्यधिक संभावना है कि ट्रम्प उसे सबक सिखाने के लिए और संयुक्त राज्य अमेरिका के हित में बहुत कठिन निर्णय लेंगे; हालांकि, इससे पहले कि ट्रम्प कोई निर्णय ले पाते, डीप्रेसिक ने अमेरिकी कंपनियों पर एक अप्रत्याशित हमला किया है, विशेषज्ञों का कहना है, एक बहुत ही चतुर चाल। डीपसेक चीनी प्रतिष्ठान द्वारा समर्थित है और अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र पर हावी होने के उद्देश्य से एक पूर्व नियोजित चाल के रूप में जांच की जा रही है। यह है। इस तकनीक में कई क्षेत्रों में क्रांति लाने की क्षमता है। आपको यह बताने के लिए किसी ज्योतिषी या विशेषज्ञ की आवश्यकता नहीं है कि यदि आप इस पर हावी हैं, तो पूरी दुनिया नियंत्रण में है। डीपसिक ने अमेरिका के लिए व्यापार युद्ध के बजाय इस प्रकार की तकनीक का लाभ उठाने का मार्ग प्रशस्त किया है। ट्रम्प ने भी डीआईपीसिक पर गंभीरता से ध्यान दिया है। अमेरिकी कंपनियों के नुकसान पर भी उन्हें पसीना बहाना पड़ा होगा। क्योंकि वे खुद उद्यमी हैं!

चीन ने इसे कैसे हासिल किया? यह जानने के लिए आज तक के इतिहास पर नजर डालनी होगी। चीन के बाहर जो भी आधुनिक तकनीक या उत्पाद विकसित हुआ है और जिसका पेटेंट कराया गया है, उसका उत्पादन चीन में कम समय में किया जा रहा है, क्योंकि चीनी सरकार ने शोध के साथ नकल करने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित किया है। प्रौद्योगिकी का विकास, बिक्री और प्रसार किया गया है। निकट या भविष्य में दुनिया में क्या उपयोग होने वाला है? सबसे अधिक मांग के बाद क्या होगा? चीन ऐसे सभी उत्पादों और तकनीकों के मामले में बहुत आक्रामक है।

डीपसेक के अवसर पर, दुनिया भर में अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) क्षेत्र पर एक नजर डालना आवश्यक है। बुनियादी अनुसंधान पर संयुक्त राज्य अमेरिका का खर्च सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.8% है। दक्षिण कोरिया का व्यय 4.2% और चीन का 2.8 % है। इसकी तुलना में, पिछले 1.25 दशकों में अनुसंधान पर भारत का खर्च तेजी से घट रहा है। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि 2020 में यह गिरकर 0.64 प्रतिशत हो गया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए वैश्विक बाजार अगले पांच वर्षों में 825 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। दूसरे शब्दों में, यह एक संख्या है कि जो कोई भी इस क्षेत्र पर हावी है वह दुनिया पर शासन कर सकता है। चीन संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, ताइवान के अर्धचालक और चिप उद्योगों का समर्थन करने की तैयारी कर रहा है। चीन ने विश्व अर्थव्यवस्था की नब्ज को पहचान लिया है। यह उनका स्मार्ट और दूरदर्शी है। यह उनका स्मार्ट और दूरदर्शी है। यह शक्तिशाली संयुक्त राज्य अमेरिका और उद्योग, रक्षा, प्रौद्योगिकी के लिए ऋणदाता है, यह ड्रेगन के लिए एक आकर्षण है जो व्यापार और सेवाओं के सभी क्षेत्रों में उन्नत हैं, और हमें सही सबक सीखना चाहिए।

जब अमेरिका, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देश अनुसंधान पर भारी खर्च कर रहे हैं, तो भारत के लिए इसे बर्बाद करना कितना उचित है? आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित नई तकनीकों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण शोध की आवश्यकता है, क्योंकि यहां से आगे की अवधि उनकी है। फिर भी, भारत में निराशाजनक माहौल एक विकसित भारत की प्रगति में बाधा बन रहा है। सत्ता पक्ष की तो बात ही छोड़िए, विपक्ष इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर बात नहीं कर रहा है। आपको विज्ञान आधारित मार्ग के बारे में सोचना होगा। इस वर्ष के बजट में अनुसंधान के लिए उचित प्रावधान करने की आवश्यकता है। इसी बल पर भारत की प्रतिभा वास्तव में देश के लिए उपयोगी होगी। अन्यथा, यह प्रतिभा प्रतिभा पलायन के माध्यम से विदेशी स्वामित्व में आ जाएगी। अगले डेढ़ दशक में अप्रत्याशित प्रगति करने के लिए, भारत सरकार को अनुसंधान के कर्तव्य पथ को समृद्ध करना चाहिए। ध्यान देने वाली बात यह भी है की इस चैटबॉट की सफलता के साथ डेटा सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल भी उठ रहे हैं। विशेषज्ञों ने डीपसिक के के इस्तेमाल को लेकर सतर्कता बरतने की सलाह दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह एप चीन का है, जिससे उपयोगकताओं की निजी जानकारी लीक होने का खतरा है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ने चेतावनी दी है कि उपयोगकताओं को इस चैटबॉट पर संवेदनशील जानकारी साझा न करें। उन्होंने कहा कि यह ठीक है कि आप इससे सामान्य सवाल पूछें, जैसे फुटबॉल मैच या इतिहास से जुड़े सवाल लेकिन व्यक्तिगत या गोपनीय जानकारी साझा करना आपको खतरे में डाल सकता है। संयुक्त राष्ट्र की एआई सलाहकार ने भी डीपसिक के खतरों को उजागर किया है। उनका कहना था कि चीनी टेक कंपनियां सरकार के नियमों का पालन करने के लिए बाध्य हैं, जिससे उपयोगकताओं के डेटा की सुरक्षा पर सवाल उठते हैं। विशेषज्ञों को चिंता है कि इसका इस्तेमाल चीन द्वारा निगरानी और दुष्प्रचार अभियानों के लिए किया जा सकता है। ब्रिटेन के टेक्नोलॉजी सेक्रेटरी ने डीपसिक में सेंसरशिप का मुद्दा उठाया और कहा कि यह अन्य एआई मॉडल्स की तुलना में कम स्वतंत्र है। उन्होंने उपयोगकताओं को चेताया कि उन्हें इसे डाउनलोड करने से पहले सतर्क रहना चाहिए, इसे पूरी तरह से परखा नहीं गया है। ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियां भी इसकी जांच कर रही हैं। इन चिंताओं के बीच विशेषज्ञों का मानना है कि उपयोगकताओं को इस एआई चैटबॉट का इस्तेमाल करते समय सतर्क रहना चाहिए और इससे व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें।

प्रकृति और ज्ञान के संगम का पर्व बसन्त पंचमी

-रमेश सर्राफ धमोरा

02 फरवरी बसन्त पंचमी पर विशेष

बसंत पंचमी, प्रकृति और ज्ञान के संगम का पर्व है। यह त्योहार वसंत ऋतु के आगमन पर मनाया जाता है। इस दिन मां सरस्वती की पूजा की जाती है। बसंत पंचमी पर प्रकृति का खिलना और नई फसल आना भी देखा जाता है। बसंत पंचमी एक बहुआयामी त्योहार है जो वसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक है और समृद्ध परंपराओं, कृषि महत्व और आध्यात्मिक प्रथाओं से भरा हुआ है। यह एक ऐसा दिन है जब प्रकृति की जीवंतता, देवी सरस्वती की भक्ति और कृषि समुदाय का जीवन उत्सव की एक खूबसूरत तस्वीर में एक दूसरे से जुड़ जाता है।

वसंत शब्द का अर्थ है बसंत और पंचमी का पांचवें दिन। इसलिये माघ महीने में जब वसंत ऋतु का आगमन होता है तो इस महीने के पांचवे दिन यानी पंचमी को वसंत पंचमी के रूप में मनाया जाता है। शास्त्रों में बसंत पंचमी को ऋषि पंचमी के नाम से भी जाना जाता है। बसन्त उत्तर भारत तथा समीपवर्ती देशों की छह ऋतुओं में से एक ऋतु है। जो फरवरी मार्च और अप्रैल के मध्य इस क्षेत्र में अपना सौंदर्य बिखेरती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माता सरस्वती जिन्हें विद्या, संगीत और कला की देवी कहा जाता है। है। उनका अवतरण इसी दिन हुआ था और यही कारण है कि भक्त इस शुभ दिन पर ज्ञान प्राप्त करने के लिए उनकी पूजा करते हैं। साथ ही इसे सरस्वती पूजा के नाम से भी जाना जाता है।

सभी शुभ कार्यों के लिए बसन्त पंचमी के दिन अत्यंत शुभ मुहूर्त माना गया है। बसन्त पंचमी को अत्यंत शुभ मुहूर्त मानने के पीछे अनेक कारण हैं। यह पर्व अधिकतर माघ मास में ही पड़ता है। माघ मास का भी धार्मिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व है। इस माह में पवित्र तीर्थों में स्नान करने का विशेष महत्व बताया गया है। दूसरे इस समय सूर्यदेव भी उत्तरायण होते हैं। इसलिए प्राचीन काल से बसन्त पंचमी के दिन देवी सरस्वती की पूजा की जाती है अथवा कह सकते हैं कि इस दिन को सरस्वती के जन्म दिवस के रुप में मनाया जाता है।

भारत में पतझड़ ऋतु के बाद बसन्त ऋतु का आगमन होता है। हर तरफ रंग-बिरंगें फूल खिले दिखाई देते हैं। इस समय गेहूं की बालियां भी पक कर लहराने लगती हैं। जिन्हें देखकर किसान हर्षित होते हैं। चारों ओर सुहाना मौसम मन को प्रसन्नता से भर देता है। इसीलिये वसन्त ऋतु को सभी ऋतुओं का राजा अर्थात ऋतुराज कहा गया है। इस दिन भगवान विष्णु, कामदेव तथा रति की पूजा की जाती है। इस दिन ब्रह्माण्ड के रचयिता ब्रह्मा जी ने सरस्वती जी की रचना की थी। इसलिए इस दिन

देवी सरस्वती की पूजा भी की जाती है। बसन्त पंचमी का दिन भारतीय मौसम विज्ञान के अनुसार समशीतोष्ण वातावरण के प्रारंभ होने का संकेत है। मकर सक्रांति पर सूर्य के उत्तरायण प्रस्थान के बाद शरद ऋतु की समाप्ति होती है। हालांकि विश्व में बदलते मौसम ने मौसम चक्र को बिगाड़ दिया है। पर सूर्य के अनुसार होने वाले परिवर्तनों का उस पर कोई प्रभाव नहीं है। हमारी संस्कृति के अनुसार पर्वों का विभाजन मौसम के अनुसार ही होता है। इन पर्वो पर मन में उत्पन्न होने वाला उत्साह स्वप्रेरित होता है। सर्दी के बाद गर्मी और उसके बाद बरसात फिर सर्दी का बदलता क्रम देह में बदलाव के साथ ही प्रसन्नता प्रदान करता है।

बसन्त पंचमी का दिन सरस्वती जी की साधना को अर्पित ज्ञान का महापर्व है। शास्त्रों में भगवती सरस्वती की आराधना व्यक्तिगत रूप में करने का विधान है। किंतु आजकल सार्वजनिक पूजा-पाण्डालों में देवी सरस्वती की मूर्ति स्थापित कर पूजा करने का रिवाज चल पड़ा है। मां सरस्वती का प्रिय रंग पीला है। इसलिए उनकी मूर्तियों को पीले वस्त्र, फूल पहनाए जाते हैं। देश में लोग बसंत पंचमी पर पीले कपड़े पहन कर विद्या की देवी मा सरस्वती कि वंदना मंत्र का उच्चारण कर उनकी पूजा करते हैं।

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता।

या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना॥

या ब्रह्माच्युत शंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता।

सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा॥

माना गया है कि माघ महीने की शुक्ल पंचमी से बसन्त ऋतु का आरंभ होता है। फाल्गुन और चैत्र मास बसन्त ऋतु के माने गए हैं। फाल्गुन वर्ष का अंतिम मास है और चैत्र पहला। इस प्रकार हिंदू पंचांग के वर्ष का अंत और प्रारंभ बसन्त में ही होता है। इस ऋतु के आने पर सर्दी कम हो जाती है। मौसम सुहावना हो जाता है। पेड़ों में नए पत्ते आने लगते हैं। सरसों के फूलों से भरे खेत पीले दिखाई देते हैं। अतः राग रंग और उत्सव मनाने के लिए यह ऋतु सर्वश्रेष्ठ मानी गई है।

ग्रंथों के अनुसार देवी सरस्वती विद्या, बुद्धि और ज्ञान की देवी हैं। अमित तेजस्विनी व अनंत गुणशालिनी देवी सरस्वती की पूजा-आराधना के लिए माघमास की पंचमी तिथि निर्धारित की गयी है। बसन्त पंचमी को इनका आविर्भाव दिवस माना जाता है। ऋग्वेद में सरस्वती देवी के असीम प्रभाव व महिमा का वर्णन है। मां सरस्वती विद्या व ज्ञान की अधिष्ठात्री हैं। कहते हैं जिनकी जिव्हा पर सरस्वती देवी का वास होता है। वे अत्यंत ही विद्वान व कुशाग्र बुद्धि होते हैं।

प्राचीन कथाओं के अनुसार ब्रह्मा जी ने विष्णु जी के कहने पर सृष्टि की रचना की थी। एक दिन वह सृष्टि को देखने के लिए धरती पर भ्रमण करने के लिए आए। ब्रह्मा जी को सृष्टि में कुछ कमी का अहसास हो रहा था। लेकिन वह समझ नहीं पा रहे थे कि किस बात की कमी है। उन्हें पशु-पक्षी, मनुष्य तथा पेड़-पौधे सभी चुप दिखाई दे रहे थे। तब उन्हें आभास हुआ कि क्या कमी है। वह सोचने लगे कि एसा क्या किया जाए कि सभी बोले और खुशी में झूमे। ऐसा विचार करते हुए ब्रह्मा जी ने अपने कमण्डल से जल लेकर धरती पर छिडका। जल छिडकने के बाद श्वेत वस्त्र धारण किए हुए एक देवी प्रकट हुई। इस देवी के चार हाथ थे। एक हाथ में वीणा, दूसरे हाथ में कमल, तीसरे हाथ में माला तथा चतुर्थ हाथ में पुस्तक थी। ब्रह्मा जी ने देवी को वरदान दिया कि तुम सभी प्राणियों के कण्ठ में निवास करोगी। सभी के अंदर चेतना भरोगी, जिस भी प्राणी में तुम्हारा वास होगा वह अपनी विद्वता के बल पर समाज में पूज्यनीय होगा। ब्रह्मा जी ने कहा कि तुम्हें संसार में देवी सरस्वती के नाम से जाना जाएगा। कडकड़ाती ठंड के बाद बसंत ऋतु में प्रकृति की छटा देखते ही बनती है। पलाश के लाल फूल, आम के पेड़ों पर आए बौर, हरियाली और गुलाबी ठंड मौसम को सुहाना बना देती है। यह ऋतु सेहत की दृष्टि से भी बहुत अच्छी मानी जाती है। मनुष्यों के साथ पशु-पक्षियों में नई चेतना का संचार होता है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान का विशेष महत्व है। देश के कई स्थानो पर पवित्र नदियों के तट और तीर्थ स्थानों पर बसंत मेला भी लगता है। राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र में तो बसंत पंचमी के दिन से ही लोग समूह में एकत्रित होकर रात में चंग ढफ बजाकर धमाल गाकर होली के पर्व का शुभारम्भ करते है।

बसन्त पंचमी के दिन विद्यालयों में भी देवी सरस्वती की आराधना की जाती है। भारत के पूर्वी प्रांतों में घरों में भी विद्या की देवी सरस्वती की मूर्ति की स्थापना की जाती है और वसन्त पंचमी के दिन उनकी पूजा की जाती है। उसके बाद अगले दिन मूर्ति को नदी, तालाब में विसर्जित कर दिया जाता है। देवी सरस्वती को ज्ञान, कला, बुद्धि, गायन-वादन की अधिष्ठात्री माना जाता है। इसलिए इस दिन विद्यार्थी, लेखक और कलाकार देवी सरस्वती की उपासना करते हैं। विद्यार्थी अपनी किताबें, लेखक अपनी कलम और कलाकार अपने संगीत उपकरणो और बाकी चीजें मां सरस्वती के सामने रखकर पूजा करते हैं।

गिरफ्तारी और डिजिटल गिरफ्तारी में फर्क और कैसे सुरक्षित रहें फर्जी घोटाले से

- राजकुमार जैन, स्वतंत्र लेखक

अरेस्ट या गिरफ्तारी से आगे बढ़कर हाल ही में चलन में आया ₹डिजिटल अरेस्ट₹ एक ऐसा घटनाक्रम है जिससे सभी लोग, विशेषकर बुजुर्ग बहुत डरे हुए है, सहमे हुए है और देश दुनिया की सरकारें भी चिंतित है। डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते हुए मामलों और उनमें हो रही सनसनीखेज लूट से समाज में एक भय का माहौल व्याप्त है। इसके बारे में आम जनों के मन में कई भ्रांतिया फैली हुई है। सही जानकारी के अभाव में लोग, खासकर धनवान और एकाकी रहने वाले और बुजुर्ग और महिलाये इसके सबसे आसान शिकार बन रहे हैं।

वस्तुतः अरेस्ट या गिरफ़्तारी शब्द सुनते ही एक आम आदमी सिहर जाता है, गिरफ़्तारी का सामान्य मतलब यही समझा जाता है कि पुलिस द्वारा उठा ले जाना और जेल में बंद कर प्रताड़ित करना। कैसे होती है गिरफ़्तारी, क्या होती है इसकी विधी सम्मत प्रक्रिया यह जानना बहुत जरूरी होता है। एक आम आदमी ना तो कानून का ज्ञाता होता है और नाही हमारे देश की शिक्षा प्रणाली द्वारा इसके बारे में कोई औपचारिक शिक्षा दी जाती है।

एक आम आदमी के लिए गिरफ़्तारी का मतलब यही होता है कि रात के अंधेरे में पुलिस का दल जोर जोर से दरवाजा खटखटाता है और दरवाजा खोलते ही वो आपको पकड़ कर पुलिस की गाड़ी में ठूंस देते है और थाने ले जाते हैं। जहां आपसे सख्ती से पूछताछ शुरू हो जाती है। वहाँ कोई आपको कुछ पूछने का मौका नहीं देता, सब आपसे उन प्रश्नों के जवाब मांगते हैं जिनके बारे में आपको कुछ पता नहीं होता। कई बार तो आपको समझ में ही नहीं आता कि आपको क्यों उठाया गया है या गिरफ्तार किया गया है। ऐसे में एक आम नागरिक डर जाता हैं और पुलिस की मिन्नते करने लग जाता है। एक बात यह भी होती है कि हम सोचते हैं कि पुलिस आई है तो कुछ ना कुछ तो उनके पास हमारे विरुद्ध होगा ही। क्या पता वो पड़ोसी जिससे आपका कोई झगड़ा चल रहा है उसने शिकायत कर दी होगी या ऐसा ही अन्य कोई ख्याल आपके मन में आता है और आप डर जाते हैं।

टेलीविजन और फिल्मों में देखकर इतना तो हमें सीख ही जाना चाहिए कि पुलिस द्वारा गिरफ़्तारी के लिए आने पर हम उनसे मजिस्ट्रेट द्वारा जारी किए गए गिरफ़्तारी वारंट के बारे में पूछ सकते हैं। लेकिन सामान्यतया लोग पुलिस को अपने घर पर देखकर ही सहम जाते है और उनकी सिट्टी पिट्टी गुम हो जाती है। पुलिस घर तक आ गई है लोग क्या कहेंगे, समाज में मेरी इज्जत का क्या होगा, मामला आगे बढ़ा कोर्ट तक गया तो जाने क्या होगा इस तरह के कई डर के नाग अपना फन उठाकर हमारे मन में जहरीली फुफकार मारते हैं।

कोर्ट, कचहरी, पुलिस के झंझट से हर कोई बचना चाहता है। निर्दोष होते हुए भी पहली प्रतिक्रिया यही होती है कि कुछ ले देकर इस झमेले से बाहर निकल लें। जबकि ऐसे समय हमें अपने परिचितों और किसी वकील की मदद लेनी चाहिए जो हमारे नागरिक अधिकारों की रक्षा कर सके।

बदलते जमाने के साथ चीजें भी बदल रही है, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धि के साथ डिजिटल युग ने हमें हैरतअंगेज सुविधाएं प्रदान की हैं, आज की डिजिटल दुनिया में सबकुछ डिजिटल हो रहा है, डिजिटल शॉपिंग, डिजिटल भुगतान, डिजिटल डेटिंग, डिजिटल दोस्ती, डिजिटल फोटो, डिजिटल वायरस, डिजिटल प्यार, डिजिटल शिक्षा, डिजिटल दुनिया और डिजिटल इंडिया, संभवतया खाना, बच्चे, दवा-दारू जैसी कुछ चीजों को छोड़कर सबकुछ या तो डिजिटल हो चुका है या हो रहा है।

इस अंधाधुंध डिजिटलाईजेशन ने साइबर अपराधियों के एक नए वर्ग को भी जन्म दिया है जो परिष्कृत तकनीकी जालसाजी का उपयोग कर मासूम लोगों को ठगते हैं। साइबर खतरों के तेजी से विकसित हो रहे परिदृश्य में, सबसे खतरनाक और भयावह घोटालों में से एक ह्लडिजिटल हाउस अरेस्टह्व एक बड़ा सोशल इंजीनियरिंग घोटाला है। अब गिरफ़्तारी भी डिजिटल होने लगी है।

साइबर अपराधी कानून प्रवर्तन अधिकारियों का छद्म रूप धारण कर फोन कॉल, ईमेल या सोशल मीडिया संदेशों के माध्यम से अपना शिकार चुनते हैं। ये घोटालेबाज आपको बरगलाने के लिए आधिकारिक रूप से यह दावा करते हैं कि आपके या आपके परिवार के किसी सदस्य के बैंक खाते, सिम कार्ड, आधार कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेन्स या अन्य पहचान पत्र का गैर कानूनी गतिविधियों में उपयोग किया गया है। कूटरचित दस्तावेजो द्वारा मानसिक दबाव बनाकर लोगों की कानून के बारे में अज्ञानता और उनकी कमजोरियों का फायदा उठाते हैं।

डिजिटल अरेस्ट संबंधित छल तेजी से अपने पाँव पसार रहा है। नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन के एक वरिष्ठ अधिकारी से 55 लाख ठग लिए गए।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने अपना चौथा पायलट प्रोजेक्ट किया लॉन्च

पटना। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने एप्सिलॉन ग्रुप की इकाई लीको मटेरियल्स के सहयोग से 'प्रोजेक्ट रिवाइव' के तहत बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीइएसएस) का अनावरण किया। इस उन्नत बीइएसएस में पुनः उपयोग की गई एमजी जेडएस ईवी बैटरियों का समावेश किया गया है, जो सर्कुलर ईवी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए नवाचार अपनाने की कार निमार्ता की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। पारंपरिक समाधानों की तुलना में इस उत्पाद की आयु चार गुना अधिक है और यह परिचालन लागत को 60 प्रतिशत तक कम कर सकता है। यह जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया का 'प्रोजेक्ट रिवाइव' के तहत दूसरा जीवन बैटरी अनुप्रयोगों के लिए चौथा पायलट प्रोजेक्ट है। कंपनी समान उद्देश्यों वाली संस्थाओं के साथ सार्थक साझेदारियां कर रही है ताकि ईवी बैटरियों की प्राथमिक आयु के बाद की संभावनाओं का उपयोग किया जा सके। पिछली पहलों में किए गए महत्वपूर्ण नवाचारों के साथ, यह परियोजना जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया द्वारा अब तक की सबसे उन्नत तैनाती को दशार्ती है। यह परियोजना स्थिरता पर केंद्रित है और भारत के लिए स्वच्छ ऊर्जा भविष्य को आकार देने में बीइएसएस तकनीक की क्षमता को उजागर करती है।

चेंबूर में दादा ने अनोखे अंदाज में पोते का जन्मदिन मनाया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चेंबूर के वाढवली गांव में शुक्रवार को वरिष्ठ नागरिक ललित कुमार गर्ग ने अमेरिका में पैदा हुए अपने पोते शुभ का जन्मदिन एक तरह से अनोखे अंदाज में मनाया। ललित कुमार गर्ग द्वारा अनोखे तरीके से मनाए गए पोते के जन्मदिन की चौतरफा प्रशंसा की जा रही है। बता दें कि वरिष्ठ नागरिक ललित कुमार गर्ग का पोता अमेरिका में पैदा हुआ है। शुक्रवार को उसका जन्मदिन था। इस जन्मदिन के अवसर पर सुरभि महिला सेवा सहकारी संस्था की ओर से वृद्ध महिलाओं को साड़ी, टॉवेल और कंबल बांटकर ललित कुमार गर्ग के पोते का जन्मदिन अनोखे तरीके से मनाया । कार्यक्रम की संयोजिका पूर्व नगरसेविका राजश्री पलांडे ने पत्रकारों से बताया कि आज लोग जन्मदिन समारोह के अवसर पर पार्टियां और नाच गाने का कार्यक्रम आयोजित करते हैं। लेकिन वरिष्ठ नागरिक ललित कुमार गर्ग ने अपने पोते शुभ का जन्मदिन वृद्ध महिलाओं को साड़ी, कंबल और टॉवेल बांटकर मनाया। यह दादा का पोते के साथ सच्चा प्यार है। इस तरह के अनोखे तरीके से मनाए गए जन्मदिन की प्रशंसा बड़ी संख्या में लोगों ने किया है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में वृद्ध महिलाएं उपस्थित थी।

ठाकुर्ली उड्डाणपुल के कार्य में तेजी, 60 परिवारों को मिलेगा नया आशियाना

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक रविंद्र चव्हाण के प्रयासों से डोंबिवली पूर्व-पश्चिम को जोड़ने वाले ठाकुर्ली उड्डाणपुल के विस्तार कार्य की राह साफ हो गई है। इस पुल के विस्तार के लिए बाधा बन रहे 60 प्रभावित रहिवासियों को वैकल्पिक घरों के आवंटन पत्र (अलॉटमेंट लेटर) वितरित करने का कार्यक्रम कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका प्रशासन ने गुरुवार दोपहर 3 बजे अत्रे रंगमंदिर में आयोजित किया है।

विधायक चव्हाण ने महानगरपालिका प्रशासन को स.वा. जोशी स्कूल के सामने से लेकर म्हसोबा चौक तक उड्डाणपुल के विस्तार कार्य को युद्धस्तर पर शुरू करने के निर्देश दिए थे। अब पुनर्वास की प्रक्रिया पूरी होने से पुल के शेष कार्य के लिए मार्ग प्रशस्त हो गया है। इस पर विधायक चव्हाण ने कहा कि प्रभावित नागरिकों के पुनर्वास की समस्या हल होने से पुल के विस्तार कार्य को अब गति मिलेगी, जिससे डोंबिवली पूर्व और पश्चिम के लाखों नागरिकों को राहत मिलेगी।

पालघर सरस का उद्घाटन समारोह संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद, जिला ग्रामीण विकास प्रणाली, महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण जीवनोंन्नती अभियान उमेद द्वारा आयोजित आर्यन हाई स्कूल मैदान पर तीन दिवसीय पालघर सरस का भव्य प्रदर्शन तथा विक्री 2024-25 का उद्घाटन गुरुवार 30 जनवरी को मान्यवरों की उपस्थिति में किया गया। उद्घाटन समारोह जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम, जिलाधिकारी गोविंद बोडेके, मुख्य कार्यकारी अधिकारी भानुदास पालवे, उपाध्यक्ष पंकज कोरे, निर्माण स्वास्थ्य समिति सभापति संदेश ढोणे, महिला व बालकल्याण समिति सभापति रोहिणी शेलार, जिला परिषद सदस्य की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष ने अधिकारियों और कर्मचारियों से प्रत्येक समूह से खरीदी करने की अपील की। जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम ने कहा कि जव्हार, मोखाडा के नॉन -फार्टिलाइजर टर्फ को पूरे राज्य में अच्छी तरह से जाना जाता है और इसे यहां भी बेचा जाता है। इसलिए अधिक से अधिक लोगों को खरीदी कर महिलाओं के रोजगार करने में योगदान करना चाहिए। जिला परिषद के अध्यक्ष ने आगे कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए कि बचत समूहों के उत्पादों को सरस महोत्सव तक सीमित किए बिना जिले के बाहर बेचा जाना चाहिए। जिले भर के 45 महिला समूहों ने सरस महोत्सव में भाग लिया है। इसमें 10 शाकाहारी और नॉन -वेटेरियन फूड शॉप हैं और बाकी दुकानें अन्य उत्पादों की हैं। जिलाधिकारी गोविंद बोडके ने सभी महिला समूहों को शुभकामनाएं दीं। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि यदि बचत समूह के माध्यम से महिलाओं की लाखों रुपए की आय घर में जाती है। तो सरकार की लखपति दीदी अवधारणा सच हो सकती है। इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों ने सभी समूहों के स्टालों दौरा किया तथा महिलाओं के साथ बातचीत की और सभी उत्पादों की सराहना की। इस दौरान जिला परिषद के सदस्य तथा आधिकारी कर्मचारियों ने कम से कम पांच सौ हजार रुपये की खरीदी करने की अपील की।

गैलेक्सी एस25: आपका सच्चा एआई साथी, सैमसंग का सबसे बेहतरीन स्मार्टफोन: टीएम रोह का बयान

मुंबई/पटना। कंपनी के अध्यक्ष और मोबाइल एक्सपीरियंस डिवीजन के हेड टीएम रोह ने कहा कि गैलेक्सी एस25 सैमसंग का अब तक का सबसे अच्छा तैयार प्रोडक्ट है। उन्होंने आगे कहा, गैलेक्सी एस25 सबसे पतला और सबसे टिकाऊ स्मार्टफोन है, जो बेजोड़ कैमरा और बैटरी हार्डवेयर के साथ आता है। ये गैलेक्सी के लिए सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला कस्टमाइज्ड प्रोसेसर भी दिया गया। हमारी एस सीरीज के पहले से ही बेहतरीन कैमरे को गैलेक्सी एआई के साथ और भी बेहतर बनाया गया है, जिसके परिणामस्वरूप एआई-संचालित इमेज क्वालिटी और इमेज एडिटिंग सुविधाएं मिलती हैं।

रोह ने कहा कि भारतीय उपभोक्ता अनूठी सुविधाओं के प्रति काफी ज्यादा उत्सुक रहते हैं, और भारत में एआई फीचर्स का इस्तेमाल ग्लोबल औसत से अधिक है। यही कारण है कि गैलेक्सी एस25 में नए एआई फीचर्स को शुरू से ही हिंदी भाषा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विकसित किया गया है।

सभी शिक्षकों का वाचन लेखन परियोजना में सहयोग देने हेतु आभार : जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम

पालघर(उत्तरशक्ति)। जहां पर शासन निर्णय नहीं, जिला परिषद अध्यक्ष द्वारा निर्देशित करना विद्यार्थियों के हित का प्रकल्प है, इसके लिए शिक्षकों द्वारा वाचन लेखन प्रकल्प को वास्तविक रूप से अमल करते हुए उत्कृष्ट प्रतिसाद दिया। इसलिए मैं सभी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। यह प्रकल्प विद्यार्थियों के हित के लिए है यह राज्य स्तर तक पहुंचेगा ऐसा हमारा विश्वास है। उक्त बातें जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम ने पालघर शहर अंतर्गत नवली में स्थित गोविंद दादोबा ठाकुर सभागृह में पंचायत समिति पालघर शिक्षण विभाग द्वारा आयोजित तहसील स्तरीय आदर्श शिक्षक पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान बोलते हुए कही। इस अवसर पर केंद्र प्रमुख के विशेष गणवेश धारण करने पर अध्यक्ष प्रकाश निकम ने संतुष्टि व्यक्त करते हुए सुझाव दिया कि सभी शिक्षकों के लिए गणवेश अनिवार्य किया जाये। यह कार्यक्रम पंचायत समिति सभापति शैला कोलेकर की अध्यक्षता में पंचायत समिति उपसभापति मिलिंद वडे, जिला परिषद सदस्य विनया पाटील, सीमा रावते, करिश्मा उमटून, पंचायत समिति सदस्य, गट विकास अधिकारी नाले, तुषार पाटील, जिला पशुसंवर्धन अधिकारी डॉ.प्रकाश हसनालकर की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुआ। गट शिक्षा अधिकारी संजय वाघ के नियोजन में उक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रत्येक केंद्र से 1 शिक्षक के तहत 32 शिक्षक, एक दिव्यांग शिक्षक, एक अल्पसंख्यक शिक्षक यानी कुल 34 शिक्षकों को आदर्श शिक्षक पुरस्कार दिया गया। शिक्षकों को शॉल, चषक, स्मृति चिन्ह व श्रीफल भेंट देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर

मुख्यमंत्री माझी शाला सुंदर शाला अभियान चरण - 1 अंतर्गत 6 विद्यालयों को मान्यवरों के हाथों सम्मानित किया गया।इसमें तीन जिला परिषद तथा तीन निजी विद्यालयों का समावेश है। ये पुरस्कार विजेता विद्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यालय को 3 लाख रुपए, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यालय को 2 लाख रुपए तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यालय को एक लाख रुपए का धनादेश और सम्मानचिन्ह देकर सम्मानित किया गया।जिला परिषद विद्यालय चिंचारे, जिला परिषद विद्यालय शिलटे, जिला परिषद विद्यालय सरतोडी को पुरस्कृत किया गया। वहीं निजी विद्यालयों में नूतन विद्यामंदिर उमरोली, डॉ. स.दा.वर्तक माध्यमिक मराठी विद्यालय बोईसर, भगिनी समाज प्राथमिक विद्यामंदिर पालघर को पुरस्कार प्रदान किया गया। इस मौके उपस्थित मान्यवरों ने पुरस्कार प्राप्त विद्यालयों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी के अलावा पुरस्कार प्राप्त सभी शिक्षक व उनके परिजन उपस्थित थे।

श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी का समरस ने किया सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। देश और विदेशों में रहने वाले करोड़ों हिंदुओं की आस्था और भक्ति का प्रमुख केंद्र श्री सिद्धिविनायक मंदिर, प्रभादेवी के ट्रस्टी तथा मुंबई भाजपा के तेजतर्रार उपाध्यक्ष ज्योतिषाचार्य आचार्य पवन त्रिपाठी का आज महानगर की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन द्वारा मंदिर परिसर में स्थित उनके कार्यालय में सम्मान किया गया । संस्था के महासचिव तथा वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने संस्था की तरफ से उनका सम्मान करते हुए कहा कि एक विद्वान व्यक्ति के इस गौरवपूर्ण पद पर विराजमान होने से मुंबई और महाराष्ट्र के साथ साथ उत्तर भारत में रहने वाले हर समाज के लोगों में खुशी और उत्साह दिखाई दे रहा है। आचार्य त्रिपाठी ने पद संभालने के बाद भक्तों की सुविधाओं और दर्शन की सुलभता की तरफ विशेष ध्यान दिया है। यही कारण है कि अब आम आदमी भी गणपति बप्पा के दर्शन कर मंदिर प्रशासन को धन्यवाद देना नहीं भूलता। आचार्य पवन त्रिपाठी ने समरस फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ किशोर सिंह और उनकी पूरी टीम द्वारा की जा रही सामाजिक सेवाओं की सराहना करते हुए संस्था के प्रति आभार व्यक्त किया।

कल्याण पश्चिम के शिवप्रेमी माघी गणेशोत्सव में इस साल तिरुपति बालाजी मंदिर की भव्य झांकी

विधायक विश्वनाथ भोईर के नेतृत्व में आयोजित मंडल का 31वां वर्ष

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पश्चिम में सबसे पुराने सार्वजनिक माघी गणेशोत्सव के रूप में प्रसिद्ध उंबर्डे स्थित शिवप्रेमी माघी गणेशोत्सव में इस साल दक्षिण भारत के श्री तिरुपति बालाजी मंदिर की भव्य झांकी बनाई जा रही है। कल्याण पश्चिम के विधायक विश्वनाथ भोईर की पहल पर पिछले 30 वर्षों से यह माघी सार्वजनिक गणेशोत्सव आयोजित किया जा रहा है, और इस साल भी इसे भव्य रूप में मनाया जाएगा।

पिछले वर्ष यहां अयोध्या के श्रीराम मंदिर की हूबहू प्रतिकृति बनाई गई थी, जिसे देखने के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी थी। न केवल कल्याण और आसपास के इलाकों से बल्कि पूरे ठाणे जिले से हजारों श्रद्धालु इस स्थल पर दर्शन के लिए आते हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधि जयवंत भोईर ने उत्सव के आयोजन को लेकर कहा कि इस वर्ष लाखों श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र दक्षिण भारत के श्री तिरुपति बालाजी मंदिर की भव्य झांकी तैयार की गई है। स्व. आत्माराम भोईर चौक में 70 फीट ऊंचे और 60 फीट लंबे आकार का तिरुपति बालाजी मंदिर निर्मित किया गया है, जिसका निर्माण पिछले एक महीने से दिन-रात किया जा रहा था। इसके साथ ही स्व. वी.बी.भोईर चौक से आत्माराम भोईर चौक तक आकर्षक विद्युत सजावट और विभिन्न झांकियां भी बनाई गई हैं।

कल यहां विराजमान होने वाले गणपति बप्पा के दर्शन और इस भव्य झांकी को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोगों से शामिल होने की अपील विधायक विश्वनाथ भोईर, जयवंत भोईर, प्रभूनाथ भोईर, गणेशोत्सव समिति के अध्यक्ष भरत भोईर और पूरी आयोजन समिति की ओर से की गई है।

सॉकेट ग्रुप के युवक की गुंडागर्दी - विद्यार्थी पर चढ़ाया थार गाड़ी

रसूखदार होने के पॉवर का गलत स्तेमाल –आम लोगों में नाराजगी

चेतन निर्मल

कल्याण(उत्तरशक्ति)। कल्याण में एक युवक गुंडागर्दी करते हुवे कॉलेज के विद्यार्थी पर चार पहिया वाहन चढ़ा कर मारने की कोशिश की इस घटना में विद्यार्थी घायल हो गया । इतना ही नही बल्कि थार गाड़ी से उतर कर विद्यार्थी की पिटाई की। घटना कल्याण के लोकग्राम परिसर की है। घटना में घायल विद्यार्थी के परिजनों ने कोलसेवाड़ी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। कार चलाने वाले युवक का नाम सुयश जयेश तिवारी है। जबकि उसकी कार की चपेट में आने से श्लोक सावंत नामक विद्यार्थी घायल हो गया है। लोकग्राम, कल्याण पूर्व का रहने वाला श्लोक सावंत बिड़ला महाविद्यालय का छात्र है। दोपहर के समय अपने मित्र के साथ बाइक पर सवार होकर श्लोक घर की तरफ निकला। आरोपी सुयश उसकी थार कार से उसका पीछा कर रहा था। श्लोक घर जाने के लिए लोकग्राम में बाइक से उतरा। पीछे से सुयश ने थार कार श्लोक पर चढ़ा दी। इतना ही नहीं उसने श्लोक की पिटाई की, और उसका अपहरण करने की कोशिश भी की। इस घटना से श्लोक सावंत के परिजनों में नाराजगी है। उनकी मांग है कि श्लोक पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी सुयश के खिलाफ कड़ी कोलसेवाड़ी पुलिस कड़ी कार्रवाई करे। मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी युवक सॉकेट ग्रुप रसूकदार घराने से ताल्लुक रखता है । यह परिवार अपने रसूक होने के पावर को हमेसा की तरह इस बार भी स्तेमाल करते हुवे पूरे सिस्टम को मैनेज करते हुवे पीड़ित परिवार को पूरी तरह से कमजोर करने का बदस्तूर कार्य कर रहा है।

कैंसर मुक्त जागरूकता अभियान अरुणाचल प्रदेश के दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने की सफलता पूर्वक पहल

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अरुणाचल प्रदेश के दूरदराज के इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य से 'कैंसर मुक्त जागरूकता अभियान' के तहत सिंगचुंग (28 जनवरी) और थ्रिजिनो (29 जनवरी) में निःशुल्क कैंसर जांच और स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों के लिए स्टेट कैंसर सोसाइटी की कैंसर स्क्रीनिंग वैन का उपयोग डॉ. सैम त्सेरिंग (नोडल अधिकारी) के विशेष प्रयासों से किया गया। यह अभियान विधायक तेनज़िन न्यिमा ग्लोव (6-थ्रिजिनो बुरगांव विधानसभा) के सौजन्य से आयोजित किया गया। सिंगचुंग स्वास्थ्य शिविर दिनांक 28 जनवरी 2025 को हुवा, इस शिविर का उद्घाटन एडीसी सिंगचुंग श्रीमती मुर्निया काकी के हाथों हुआ। इस अवसर पर प्रमुख अतिथियों में श्रीमती जुमतेर ग्लोव (विधायक तेनज़िन न्यिमा ग्लोव की पत्नी), डॉ. ड्रोमा (टड, उल्टउ सिंगचुंग) और स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे।थ्रिजिनो स्वास्थ्य शिविर दिनांक 29 जनवरी 2025 को संपन्न हुवा।

इस शिविर का उद्घाटन वरिष्ठ नेता इंजी. बॉनी शक्रिन्सो द्वारा किया गया। इस अवसर पर एडीसी थ्रिजिनो श्री टोपिक काकी (अढउर), डॉ. किरेन देरु (टड, थ्रिजिनो ढल्टउ) और अन्य स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित थे।

इस पहल में टक्छहर की ओर से चेयरमैन श्री खांडू थुंगोन, छबी सहयोग फाउंडेशन की ओर से महासचिव पार्थो रॉय, वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. बी.के. पाटिल, वरिष्ठ स्वास्थ्य प्रशासक एवं अभियान संरक्षक डॉ. अविनाश गारगोटे, डॉ. दिव्या श्रीनिवास तथा देव देश प्रतिष्ठान की ओर से डॉ. रविंद्र कांबळे, डॉ. स्नेहा भट्टे और जयगणेश लिंगाथार उपस्थित रहे।

इस सफल अभियान पर अभियान संरक्षक डॉ. वैभव देवगिरकर (अध्यक्ष - देव देश प्रतिष्ठान) और प्रधान संरक्षक पी.के. थुंगोन (अरुणाचल प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री) ने संपूर्ण टीम के प्रयासों की सराहना की। दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की जरूरत वेस्ट कामेंग जिले के कई क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं, जिसके कारण नागरिकों को समय पर बीमारी का निदान और उपचार नहीं मिल पाता। 'कैंसर मुक्त जागरूकता अभियान' के अंतर्गत इन दुर्गम इलाकों के नागरिकों को निःशुल्क जांच और उपचार की सुविधा प्रदान की जा रही है। स्थानीय लोगों का जबरदस्त प्रतिसाद को देखते हुए, भविष्य में इस अभियान का और अधिक विस्तार किया जाएगा।

एम .के .जूनियर कॉलेज चिंचणी के स्वर्ण महोत्सव वर्ष पर ऐतिहासिक पर्यटन यात्रा आयोजित

पालघर (उत्तरशक्ति)। एम.के.जूनियर कॉलेज चिंचणी तहसील दहानू द्वारा आयोजित ऐतिहासिक शैक्षणिक पर्यटन गुजरात राज्य में विश्व का सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैचू ऑफ यूनिटी (सरदार सरोवर परियोजना), नीलकंठ धाम मंदिर, पोईचा प्रेक्षणीय स्थल दौरा कर उत्साह पूर्वक संपन्न हो गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने ऐतिहासिक स्थलों का दौरा कर सामाजिक, सांस्कृतिक विरासत संरक्षण व संवर्धन किए गए प्रेक्षणीय स्थल के महत्व की जानकारी लेते हुए पर्यटन का आनंद उठाया। चिंचणी तारापुर शिक्षण संस्था के चेयरमैन रजनीकांत श्राफ के प्रेरणा व सहयोग से तथा पदाधिकारी प्राचार्य महेश रावते, उप मुख्याध्यापक प्रा. सुनील बैसाणे, उपप्राचार्या संगीता चूरी, परवेक्षक सूरज आष्टेकर ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देने के साथ हौसला अफजाई किया। विद्यार्थियों स्टैचू ऑफ यूनिटी की मूर्ति के बारे में पूर्ण जानकारी हासिल कर, लेजर शो, गार्डन, तीर्थालय, गोमुख दर्शन, संग्रहालय, गौशाला, बडौदा लक्ष्मी विलास पैलेस, सयाजीराव गायकवाड उद्यान, प्राणी संग्रहालय इत्यादि की जानकारी ली। इस पर्यटन यात्रा में कक्षा 11वीं के 49 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। पर्यटन यात्रा में शिक्षक कला विभाग प्रमुख प्रा.हरीश वलवी, प्रा.मेघा पाटील, प्रा.एकनाथ पाटील, प्रा.वैशाली महाजन, प्रा.लहू महाजन व ग्रंथपाल वर्षा चूरी आदि ने हिस्सा लिया।

अपनी भाषा, अपनी संस्कृति और अपने राष्ट्र पर करें अभिमान : राजन महाराज

भायंदर (उत्तरशक्ति)। प्रेमभूषण महाराज के कृपापात्र शिष्य पूज्य राजन महाराज के व्यासत्व में जैसलपार्क चौपाटी पर धर्मज्योति प्रचार सेवा संस्थान के तत्वावधान में 25जनवरी से चल रही नौ दिवसीय श्रीरामकथा में राजन महाराज ने कहा कि,कभी भी किसी संत महापुरूष से व्यापार- लाभ के उपाय नही पूछना चाहिए। अपने मंगल के लिए भगवत चरणों में नेह,निष्ठा बढ़ने का उपाय पूछना चाहिए। मानस सिद्धांत के अनुसार संत के दर्शन से पाप समाप्त हो जाते हैं।अयोध्या कांड को मानस का हृदय बतलाते हुए राजन महाराज ने कहा कि,परिवार में ढंग से जीने के लिए अयोध्याकाण्ड की शरण मे जाना चाहिए,यह पारिवारिक दुख को समाप्त कर देता है। शेक्सपियर को पढ़ने से पहले दुनिया के लिए शोध का विषय बन चुके मानस का अध्ययन करें।

अपनी भाषा, अपनी संस्कृति और अपने राष्ट्र पर अभिमान होना चाहिए।राम जपते रहो, काम करते रहो पद को सुनाकर यह संदेश दिया कि अपने कार्य को निष्ठा पूर्वक करते हुए भगवान का स्मरण करना चाहिए।रामनाम के जप से जीवन जंजाल मुक्त हो जाता है।वनवास प्रसंग का मार्मिक वर्णन करते हुए राजन महाराज ने कहा कि कौशल्या माता ने राम को जन्म दिया तो कैकेयी माता ने वनवास देकर मयार्दा पुरूषोत्तम बना दिया इसलिए माता कैकेयी की कभी निंदा न की जाए।।जिससे प्रेम हो उसकी बुराई कभी न सुनी जाए,इससे प्रेम संबंध सदैव बना रहता है।

कभी भी किसी संत महापुरूष से व्यापार- लाभ का उपाय नही पूछना चाहिए,अपने मंगल के लिए भगवत चरणों में नेह,निष्ठा बढ़ने का उपाय पूछना चाहिए। मानस सिद्धांत के अनुसार संत के दर्शन से पाप समाप्त हो जाते हैं।केवट प्रसंग पर उन्होंने कहा कि, केवट यह जानते हैं कि राम ब्रह्म हैं इसलिए उनके पैर पखारना चाहते हैं।मांगी नाव न केवट आना.. के भाव को निवेदित करते हुए कहा कि,भक्त का मान रखने के लिए भगवान दाता से याचक बन जाते हैं।केवट लक्ष्मण जी के क्रोध पर भी निडर होकर मरने से नही डरे और कहा कि, मर कर भी रामजी का नाम लेकर तर जाऊंगा। केवट से पहले भगवान के चरणामृत पान की परंपरा नही थी, चरणामृत पान की परंपरा यहीं से प्रारंभ हुई। रामजी के सामने जो गिरता है उसे राम जी उठा लेते हैं। केवट को उतराई देते समय सीता जी ने रामजी के संकोच को समझकर अपनी मुद्रिका भेंट करते हुए कहा कि, मेरी मयार्दा आपके हाथ है,इस सोने की मुदरी में नही है,पत्नी के लिए पति की मयार्दा सर्वोपरि होती है। जीवन में जो भी प्राप्त हो उसे पर्याप्त मानने वाला सदैव सुखी रहता है।जीवन मे सुख प्राप्ति के इस उत्तम प्रेमसूत्र को निवेदित किया।केवट प्रसंग की कथा में पूज्य राजन महाराज तोरे गोड़वा के धुरिया से डर लागेला.. और रामजी उतरेंगे पार हो गंगा मइया धीरे बहो जैसे भावपूर्ण भजन सुनाकर मंत्रमुग्ध कर दिया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

अनियंत्रित ट्रेलर की चपेट में आने से पिकअप सवार 8 श्रद्धालुओं की मौत, एक दर्जन घायल

गुड़िया राज

गाजीपुर(उत्तरशक्ति)। भीषण सड़क दुर्घटना में प्रयागराज महाकुंभ से स्नान करके वापस घर जा रहे 8 श्रद्धालुओं की मौत हो गयी और करीब आधा दर्जन से उपर घायल हो गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करके पिकअप से बांसगांव गोरखपुर निवासी करीब 20 श्रद्धालु वापस घर जा रहे थे। नंदगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत कुसुम्हीं के पास रेवसा गांव के पास अनियंत्रित ट्रेलर से पिकअप की बॉडी फंस गयी जिससे भीषण दुर्घटना घट गया। ट्रेलर 8 श्रद्धालुओं को रौंदते हुए निकल गया और करीब एक दर्जन से उपर श्रद्धालु घायल हो गये। घटना की खबर लगते ही मौके पर पुलिस अधीक्षक ईरज राजा, सहित कई थानों की पुलिस पहुंच गयी, घायलों को तत्काल चिकित्सा के लिए गाजीपुर मेडिकल कालेज ले जाया गया। पुलिस शवों को कब्जे में ले लिया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सड़क दुर्घटना में आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गयी है राहत कार्य जारी है। दुर्घटना की खबर मिलते ही भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह अपने कार्यकर्ताओं के साथ गाजीपुर मेडिकल कालेज में पहुंच कर राहत कार्यों का जायजा लिया।

परीक्षा देकर महाविद्यालय से बाहर आते ही अज्ञात बदमाशों ने युवक को मारी गोली

रियाजुल हक खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चंदवक से इस वक्त की सबसे बड़ी खबर दिनदहाड़े कॉलेज के बाहर अज्ञात बदमाशों ने छात्र को मारी गोली। मौके पर पहुंची पुलिस छानबीन में जुटी आपको बताते चले कि आज दिन में लगभग 11:00 बजे निवासी एक छात्र जो प्री बोर्ड का एग्जाम देकर ज्यो ही बाहर निकल रहा था त्यों ही कॉलेज के गेट के साइकिल स्टैंड के पास बाहर आया तुरंत अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने जमकर फायरिंग कर दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है वहीं इस दिन दहाड़े गोली कांड से पूरे क्षेत्र की जनता में दहशत का माहौल व्याप्त है। मामला जौनपुर जनपद के थाना चंदवक के श्री गणेश राय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोभी जौनपुर के गेट के बाहर का बताया जा रहा है।

यूपी में 52 फीसदी कर्मचारियों ने नहीं दिया संपत्ति का ब्योरा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनवरी का वेतन रोकने की तैयारी, आज है अंतिम तिथि। राज्य सरकार के स्पष्ट आदेश के बावजूद राज्यकर्मी संपत्तियों का ब्यौरा मानव संपदा पोर्टल पर ऑनलाइन देने में आनाकानी कर रहे हैं। संपत्तियों का ब्यौरा देने की अंतिम तिथि 31 जनवरी है। लेकिन 30 जनवरी तक मात्र 52 फीसदी कर्मियों ने इसकी जानकारी ऑनलाइन की है। संपत्तियों का ब्यौरा तय समय पर न देने वालों की पदोन्नति के साथ वेतन रोकने की भी तैयारी है। कार्मिक विभाग इस संबंध में जल्द ही स्पष्ट आदेश जारी करने की तैयारी कर रहा है। प्रदेश में 8.32 लाख राज्य कर्मचारी हैं। इनमें से मात्र 4.33 लाख कर्मियों ने ही संपत्तियों का ब्यौरा दिया है। यह करीब 52 फीसदी के आसपास है। शासन के सूत्रों के मुताबिक, संपत्तियों का ब्यौरा न देने वाले कर्मियों के संबंध में 1 फरवरी के बाद सख्त आदेश जारी करते हुए कार्रवाई की जा सकती है। वहीं दी एनुअल कॉन्फिडेंशियल रिपोर्ट प्रदेश में समूह क व ख श्रेणी के अधिकारियों को अपनी 2023-24 की एनुअल कॉन्फिडेंशियल रिपोर्ट (एसीआर) मानव संपदा पोर्टल पर ऑनलाइन दाखिल करनी है।

सचिवालय प्रशासन ने कड़े निर्देश दिए हैं कि रिपोर्ट न देने पर संबंधित अधिकारियों का जनवरी महीने का वेतन रोक दिया जाएगा। सचिवालय प्रशासन की ओर से हाल ही में सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव व सचिव को पत्र भेजकर कहा गया है कि इन अधिकारियों की वर्ष 2023-24 की ऑनलाइन गोपनीय प्रविष्टि दाखिल करने के निर्देश दिए गए हैं। हाल में की गई समीक्षा में पता चला है कि काफी लोगों द्वारा मानव संपदा पोर्टल पर अपनी स्व मूल्यांकन आख्या नहीं अपलोड की गई है। ऐसे में समीक्षा अधिकारियों समेत सभी समूह क व ख श्रेणी के अधिकारियों की रिपोर्ट ऑनलाइन कराना सुनिश्चित करें।

कुंभ यात्रियों की सेवा करने से भगवान की पूजा करने के बराबर मिलता है फल: हंसराज विश्वकर्मा

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में कुंभ यात्रियों हेतु राजेश जैन द्वारा मोहन सराय में विशाल भंडारा का आयोजन रोहनिया। कुंभ यात्रियों के सेवा के लिए विधान परिषद सदस्य एवं भाजपा जिला अध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा के पहल पर नगर पंचायत गंगापुर निवासी राजेश जैन द्वारा मोहन सराय बाईपास स्थित चौराहे पर कुंभ यात्रियों के लिए विशाल भंडारा का आयोजन किया गया। भंडारा के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा ने कुंभ यात्रियों के लिए बनाए जा रहे भोजन का निरीक्षण किया तथा भोजन बना रहे हलवाइयों को सही गुणवत्ता के साथ स्वादिष्ट भोजन बनाने हेतु निर्देशित किया। उसके उपरांत राजेश जैन के साथ एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा ने टेंट लगाकर लगाए गए स्टालों पर पुड़ी, सब्जी, कचौड़ी, चाय, नाश्ता पानी इत्यादि अपने हाथों द्वारा कुंभ यात्रियों को वितरण किया। भोजन ग्रहण करने के उपरांत यात्रियों के चेहरे पर मुस्कान छा गई कुंभ यात्रियों के परेशानी तथा सुविधाओं के बारे में जानकारी लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कुंभ यात्रियों की सेवा करना भगवान की पूजा करने से बढ़कर है। राजेश जैन द्वारा किए गए इस सराहनीय कार्य का लोगों में चर्चा का विषय बना रहा और काफी सराहना हुआ। इस दौरान मुख्य रूप से व्यापार मंडल अध्यक्ष चांदपुर घनश्याम जैन, राजेश जैन, जयप्रकाश गुप्ता, प्रदीप प्रजापति, रमाशंकर गुप्ता,जगदीश जायसवाल ,राजू प्रजापति, अजय विश्वकर्मा, रामचंद्र गौतम, रमेश गुप्ता सोनू, वीरेंद्र पटेल, राजेश केसरी इत्यादि भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

वाराणसी के मान मंदिर घाट के पास दो नावों की टक्कर, 6 सवार सहित एक नाव पलटी, सभी सुरक्षित

डॉ.एसके मिश्र

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। वाराणसी के घाटों के दर्शनों हेतु 6 यात्रियों को लेकर जा रही थी।घटना के तुरंत बाद, गंगा नदी में तैनात एनडीआरएफ की टीम ने अपनी तत्परता और कुशलता का परिचय देते हुए तुरंत बचाव अभियान शुरू किया। टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए एक यात्री को सुरक्षित रूप से बचाकर किनारे पहुँचाया। वहीं, अन्य 5 यात्री भी स्वयं तैरकर सुरक्षित रूप से किनारे पर पहुँच गए। एनडीआरएफ की टीम, मनोज कुमार शर्मा, डीआईजी के मार्गदर्शन में वाराणसी के सभी प्रमुख घाटों और गंगा नदी के मध्य भाग में इन्फ्लेटेबल रेस्क्यू बोट्स के माध्यम से चौबीसों घंटे सतर्कता बनाए हुए है। इस सतर्कता और निगरानी के परिणामस्वरूप, आज के त्वरित और प्रभावी बचाव अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया जा सका। एनडीआरएफ की टीम की तत्परता और निरंतर निगरानी यह सुनिश्चित कर रही है कि गंगा नदी के घाटों पर किसी भी अप्रत्याशित घटना का तत्काल समाधान किया जा सके, जिससे आम नागरिकों की सुरक्षा और सहायता सुनिश्चित हो सके।

ग्राहक सेवा केन्द्र संचालक व उसके दो आपरेटरों को दबंगों ने पीटकर किया घायल

जफराबाद,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के सेवईनाला बाजार में स्थित सीएससी केन्द्र संचालक और उसके दो आपरेटरों को बुधवार को दबंगों ने केन्द्र में घुसकर लाठी डंडे से मार पीटकर घायल कर दिया। इसके अलावा जान से मारने की धमकी भी दिया। केन्द्र संचालक की तहरीर पर तीन लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। क्षेत्र के कमरूद्दीन पुर गांव निवासी राजन पाल सेवई नाला बाजार में ग्राहक सेवा केन्द्र चलाता है। उसने केंद्र पर दो युवकों को बतौर आपरेटर भी रखा है। बुधवार की शाम को राजन केन्द्र पर काम कर रहा था। उसी समय उसी गांव के मनबढ युवक धर्मेन्द्र कुमार, राघवेन्द्र कुमार व अरविन्द पाल ने उसके केन्द्र में घुसकर गाली गलौज देने लगे और विरोध करने पर राजन पाल (32 वर्ष) और उसके दो आपरेटर रतन पाल (26 वर्ष) व आशीष पाल (28 वर्ष) को लाठी डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया। जिसमे रतन पाल का सिर फट गया है तथा आशीष को भी गंभीर चोट आई है। तीनो घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया गया। प्रभारी निरीक्षक जफराबाद जय प्रकाश यादव ने बताया कि राजन पाल के द्वारा दी गई तहरीर पर धर्मेंद्र, राघवेंद्र व अरविंद के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। तीनों को गिरफ्तार करने के लिए दबिश दी जा रही है।

रेलवे प्रशासन ने लिया संज्ञान, मरम्मत कार्य शुरू

उत्तरशक्ति न्यूज का दिखा असर

आजाद रेलवे क्रासिंग पर गिरकर घायल हो रहे थे राहगीर

अजीम सिद्दीकी

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय राजमार्ग 135ए पर क्षेत्र स्थित आजाद (उसरहटा) के समीप रेलवे गेट नं. 58 स्पेशल पड़ता है। इस ट्रैक के किनारे बनी हुई सड़क क्षतिग्रस्त और रेलवे द्वारा फाइबर शूट बिछाया गया था। जहाँ सड़के जर्जर और फाइबर शूट टूट-फूट गया था। जिससे आने-जाने वाले राहगीर गिरकर चोटिल हो जा रहे थे। इसी समस्या को देखते हुए स्थानीय मीडिया ने प्रमुखता से खबर को प्रकाशित किया। जिससे हरक्कत में आया रेलवे विभाग ने दूसरे से मरम्मत कार्य चालू करा दिया। जीससे राहगीरों ने राहत की सांस लिया और धन्यवाद ज्ञापित किया। विदित हो कि पर उक्त रेलवे फाटक रेलवे विभाग द्वारा ट्रक के अगल-बगल फाइबर शूट को बिछाया गया था और सड़क को पक्का निर्माण कर आवागमन को सुचारू कर दिया गया था। जिससे लोगों को कुछ राहत मिली थी लेकिन कुछ दिनों के बाद उक्त रेल मार्ग पर सड़क और पटरी के बीच दो-चार इंच तक के गड्ढे पड़ गए जिसके कारण जरा सा असावधानी होने पर रेलवे ट्रैक पर गिरकर लोग घायल हो जा रहे है तो वही फाइबर शूट भी कुछ जगहों पर खराब हो चुका था और अपने जगह से हट गया था। जिसमें गड्ढा साफ दिखाई दे लगा था। जिससे जरा सा असावधानी होने पर बाइक सवार को जानलेवा साबित हो सकती थी। इसी को देखते हुए क्षेत्रीय लोगों जिम्मेदारों से मांग किया जिसे मीडियाकर्मी इस समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित किया जिससे हरक्कत में आया रेलवे विभाग ने कई मजदूर लगाकर सड़क पर बिखरी गिट्टियों को सही कराया और गड्ढे कक लेबल कराया तथा टूट हुए ट्रक शूट को दुरुस्त कराया जा रहा है। जिससे लोगों ने राहत की सांस ली है।

बी.फार्मेसी में प्रवेश के लिए ऑन-लाइन आवेदन आज से

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय 2024-25 के लिए बी. फार्मेसी प्रथम वर्ष में कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट उवएल 2024-25 काउंसलिंग के बाद खाली सीटों पर इच्छुक उम्मीदवारों को सत्र 2024-25 के लिए पहले वर्ष में बी.फार्मेसी में प्रवेश के लिए ऑन-लाइन आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। ऑनलाइन पंजीकरण 1-2-2025 से प्रारंभ होगा। पंजीकरण की अंतिम तिथि 8-02-2025 है। 11 फरवरी को सुबह 11:00 बजे फार्मेसी विभाग में काउंसलिंग आयोजित किया जाएगा। सरकारी नियमों के अनुसार आरक्षण लागू होगा। उवएल-2024 योग्य उम्मीदवारों के लिए वरीयता दी जाएगी। इस संबंध में विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

बाइक से गिरकर दो युवक घायल, जिला चिकित्सालय ने किया ट्रामा सेंटर वाराणसी को रेफर

आफताब आलम, मानीकलां जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शुक्रवार की सुबह पांच बजे के करीब शाहगंज जौनपुर मार्ग पर पूर्वांचल यूनिवर्सिटी के समीप दो युवक बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुए। दोनों युवक जौनपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने जा रहे थे पूर्वांचल यूनिवर्सिटी के पहले ब्रेकर पर बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई जिसके करण दोनों युवकों को सर व शरीर में गंभीर चोटे आई जिनकी पहचान मानीकलां निवासी के रूप में हुई कामरान खान (19) पुत्र अजीजुद्दीन जिसको गंभीर चोटें आई फैजान अहमद (25) पुत्र एजाज अहमद घायल हुआ। ग्रामीणों ने घटना की सूचना एंबुलेंस को दी एंबुलेंस से दोनों को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया जहां डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया। किसी तरह से सूचना पाकर घायलों के स्वजन जिला अस्पताल पहुंच गए डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए ट्रामा सेन्टर वाराणसी रेफर कर दिया।

सरपतहाँ पुलिस ने तमंचा व कारतूस के साथ एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे। सघन अभियान में, अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी शाहगंज के निकट में थानाध्यक्ष सरपतहां के नेतृत्व में आज दिनांक 30.01.2025 को उ0नि0 अरविन्द कुमार यादव मय हमराह हे0का0 छट्ठू यादव व हे0का0 धर्मेन्द्र यादव तथा का0 विजय प्रताप द्वारा जरिए मुखबिरी सूचना पर 01 अभियुक्त मोसम्मी सचिन पासवान पुत्र उमाशंकर पासवान निवासी ग्राम जहरूद्दीनपुर थाना सरपतहां जनपद जौनपुर उम्र करीब 19 वर्ष को 01 अदद तमंचा 12 बोर व एक कारतूस 12 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0- 0011/2025 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट, थाना सरपतहाँ जौनपुर पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

चोरी की मोटरसाइकिल बरामद, 2 अभियुक्तों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान में

अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी सदर तथा प्रभारी निरीक्षक सरायख्वाजा के कुशल नेतृत्व में थाना सरायख्वाजा पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-0057/2025 धारा-303(2) बीएनएस से सम्बन्धित अभियुक्तगण क्रमशः 1. विशाल यादव पुत्र राजकुमार यादव नि0 सुल्तानपुर दरियावगंज थाना बक्सा जनपद जौनपुर 2. अर्जुन यादव पुत्र भरत यादव नि0 धोईल थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर को मय चोरी की मोटरसाइकल के साथ आज दिनांक 31.01.2025 को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए सम्बन्धित न्यायालय भेजा गया।

वाहन की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

धर्मेंद्र कुमार शर्मा, बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के शाहपुर गांव से गुजरने वाली पीली नदी पुल के पास शुक्रवार को अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक वृद्ध व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई कर रही है। जानकारी के मुताबिक बिहार के पूर्वी चंपारण जिले से रहने वाले 62 वर्षीय विश्वनाथ प्रसाद अपने परिजनों के साथ शाहगंज की तरफ जा रहे थे। शाहपुर पीली नदी पुल के पास के शौच करने के लिए रुके थे। जहां सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे उनकी मौत हो गई। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक बदलापुर गजानंद चौबे ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

कुंभ नहाने गए वृद्ध की हृदयगति रुकने से मौत

वसीम अहमद, सुइथाकला, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के पट्टीनरेन्द्रपुर निवासी वृद्ध दम्पती महाकुम्भ प्रयागराज स्नान करने गये थे जहां मंगलवार की रात वृद्ध की मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार उक्त गांव निवासी रामेश्वर भोज्वाल (70) अपनी पत्नी सुनीता के साथ प्रयागराज महाकुम्भ स्नान करने गये थे जहां मंगलवार की रात हृदयाघात से उनकी मौत हो गयी। मौत की खबर लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बुधवार की सुबह सूचना मिलते ही मृतक के दो बेटे प्रयागराज पहुंचकर शव को घर लाये जहां परिजनों ने गुरुवार को इमिलिया घाट पर शव का अन्तिम संस्कार कर दिया।

कुम्भाभिषेक की तैयारी हुई पूरी, मां अन्नपूर्णा के शिखर पर स्वर्ण आवरण

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के माँ अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर साढ़े तीन करोड़ से अधिक का सोना मढ़ा गया है। यह काम दक्षिण भारत के छह कारीगरों ने किया। अब शिखर की आभा देखते ही बन रहा है। शिखर की नक्काशी भी उभर आई है। कमल के फूल, नागवेल सहित अन्य मांगलिक प्रतीक स्पष्ट दिखते हैं। सोना मढ़ने वाली टीम का नेतृत्व श्रीनिवास राजू और सी. मंजूनाथ ने किया। सोने की हर प्लेट को एक दूसरे से ऐसे जोड़ा गया है कि जोड़ नहीं दिख रहा है। साढ़े चार किलो सोने का उपयोग किया गया है। अन्नपूर्णा मंदिर के मुख्य द्वार पर लगाई गई कलाकृति, जिसमें भगवान शिव को भिक्षा देते हुए मां अन्नपूर्णा दिख रही हैं। ऊंचा पूरा शिखर स्वर्णमयी हो गया है। पहले ऊपरी हिस्से पर लगे कलश के साथ करीब ढाई फीट तक का हिस्सा कुंभाभिषेक पर स्वर्ण मंडित किया गया था। अब अन्य हिस्से पर भी सोना मढ़ा गया है। वहीं मंदिर के मुख्य मंडप और मंडप के ऊपर बने शिखर का रंग-रोगन भी पूरा हो चुका है। शिखर के चारों कोनों के मुख्य स्तंभों को बादामी रंग से रंगा गया है। जबकि छह सहायक स्तंभों पर आसमानी, गुलाबी, सुनहरे, गुलाबी और सफेद रंग का उपयोग किया गया है। रंगाई एनपी त्रिपाठी शंकर की देखरेख में की गई है। मंदिर के मुख्य द्वार के बगल में महादेव और माता अन्नपूर्णा की श्रीडी कलाकृति लगाई जा चुकी है। इसमें माता अन्नपूर्णा भगवान शिव को भिक्षा देती दिख रही हैं। कुंभाभिषेक की तैयारी पूरी पहली फरवरी से होने वाले कुंभाभिषेक। उत्तर और दक्षिण भारत के 11 सौ वैदिकों के सानिध्य में अन्नपूर्णा मंदिर के साथ ही गौरी केदारेश्वर मंदिर में भी अनुष्ठान होंगे। 17 हवन कुंडों में 668 प्रकार की जड़ी-बूटियों से निर्मित साकल्य की आहुति दी जाएगी। 18 पुराणों का पारायण भी किया जाना है। 31 जनवरी को शृंगेरी पीठ के शंकराचार्य काशी आएंगे। उनकी अगवानी में विशाल शोभायात्रा नई सड़क स्थित सनातन धर्म इंटर कॉलेज से अन्नपूर्णा मंदिर तक निकाली जाएगी।

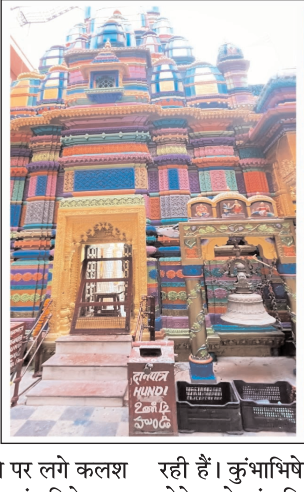

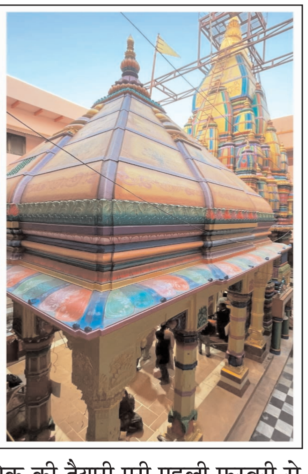

रात के अन्धेरे में कब्रिस्तान के टीले की मिट्टी को जेसीबी से निकालकर भूमाफिया द्वारा जबरन किया जा रहा है कब्रिस्तान की भूमि पर कब्जा

इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रात के अन्धेरे में भीठा व कब्रिस्तान की मिट्टी को जेसीबी मशीन से निकालकर उक्त जमीन को भूमाफिया द्वारा जबरन किया जा रहा है कब्जा। मोहल्ला मदन अरजानी तहसील सदर, थाना कोतवाली, जनपद जौनपुर में स्थित भीठा व कब्रिस्तान है। जिसका नं0 1 से 10 तक है, उसके बगल में 49 नं0 पर कुछ अराजक तत्व, भूमाफिया रात के अन्धेरे में जेसीबी मशीन लगाकर मिट्टी निकालकर भूमि को समतल करके भविष्य में प्लाट बनाकर अवैध तरीके से कब्जा करना चाहते है। खालिदा बेगम ने आरोप लगाया है कि मोहल्ले के दबंग व आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति है। जबरन मेरी पुस्तैनी भूमि पर कब्जा कर रहे है। प्रार्थिनी द्वारा पुलिस चौकी व थाना कोतवाली पर लिखित सूचना दिये जाने के बाद भी कोई करवाई नहीं हुई। तब महिला थक हार कर आज ज़िलाधिकारी व पुलिस कप्तान जौनपुर से न्याय की गुहार लगी है अब या देखना है की महिला को कब इंसाफ मिलता है।

जिलाधिकारी ने किया जिला कारागार का औचक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बैरकों की सघन तलाशी ली गई, तलाशी के दौरान कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला। जिलाधिकारी के द्वारा पाकशाला में जाकर बंदियों के लिए पकाए जा रहे खाने की गुणवत्ता की जांच की गई। उन्होंने जेल अस्पताल में जाकर बंदियों के स्वास्थ्य और उनके ईलाज के संबंध में जानकारी प्राप्त की और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.लक्ष्मी सिंह को निर्देशित किया कि बंदियो की नियमित रूप से स्वास्थ्य की जांच कराई जाए और इसके साथ ही बंदियों के दांत, आंख और कान की जांच भी कराई जाए और जिन्हें आवश्यक हो उन्हें चश्मा उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी के द्वारा बुजुर्ग बंदियों सहित अन्य बंदियों से संवाद करते हुए उनसे पूछा गया कि उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या तो नहीं है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व अजय अंबष्ट, नगर मजिस्ट्रेट, इंद्रनंदन सिंह, जेलर अजय कुमार, डिप्टी जेलर धर्मेंद्र सिंह भदोरिया, डॉ0 विनय कुमार राव, फार्मासिस्ट सतीश सहित अन्य उपस्थित रहे।

खुटहन पुलिस ने छिनैती के 9 मोबाइल, 16 सिमकार्ड व घटना में प्रयुक्त मोटर साईकिल किया बरामद

छिनैती/झपट्टमारी करने वाले 2 अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज के निर्देशन में थाना खुटहन पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 - 35/2025 धारा 304(2)/317(2) बी.एन.एस. से सम्बन्धित 02 अभियुक्तों क्रमशः 1.अभिषेक यादव पुत्र हरीनाथ यादव निवासी मई थाना बक्शा जनपद जौनपुर 2.बबलू उर्फ शशिकान्त यादव पुत्र सुरेन्द्र यादव निवासी कोईरीडीह (तिवारी का पूरा) थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर को मय 09 स्मार्ट मोबाईल, 16 एयरटेल सिमकार्ड व 01 छिनैती में प्रयुक्त पल्सर मोटरसाईकिल बरामद करते हुए अभियुक्तगण को रामनगर तिराहा थाना खुटहन जनपद जौनपुर के पास से दिनांक 29.01.2025 को समय करीब 11.10 बजे रात्रि में गिरफ्तार करते हुए आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है।

सड़क पार करते रहे व्यक्ति को बाइक ने मारी टक्कर, मौत

सगड़ी(उत्तरशक्ति)। जमीन मोहम्मदपुर (पट्टी) गांव के सामने सड़क पार करते समय एक व्यक्ति घायल हो गया था। परिजन उसे अस्पताल में भर्ती कराए थे जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के जमीन मोहम्मदपुर (पट्टी) निवासी दीपचंद पासवान (58) 28 जनवरी की शाम घर पर थे। घर के सामने से गुजरे रामगढ़-अंजान शहीद मार्ग को वह पार कर रहे थे। तभी बाइक ने उसे धक्का मारते हुए 50 मीटर दूर तक घसीटते हुए ले गया। जब तक लोग पहुंचते तब तक चालक बाइक लेकर भाग गया। परिजन उसे लेकर मऊ के मोहम्मदाबाद स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में इलाज चल रहा था कि अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। चिकित्सक ने उसे रेफर कर दिया। परिजन उसे दूसरे अस्पताल ले जा रहे थे कि रास्ते में मौत हो गई। परिजन शव को लेकर घर आए तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस घर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

महाकुंभ से लौट रहे आठ श्रद्धालुओं की मौत

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में शुक्रवार को दर्दनाक हादसा हुआ। वाराणसी-गाजीपुर मार्ग पर उसमीकला मोड़ के पास डंपर ने श्रद्धालुओं से भरे पिकअप को टक्कर मार दी। सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत की सूचना है। मृतकों में एक बच्चा, तीन महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। वहीं, कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। पिकअप सवार श्रद्धालु महाकुंभ से स्नान कर लौट रहे थे। सभी गोरखपुर के रहने वाले बताए जा रहे हैं। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस व स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। मौके पर डीएम आर्यका अखौरी समेत कई अधिकारी पहुंचे हैं। हादसा इतना भीषण था कि शवों के टुकड़े सड़क पर बिखर गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव के टुकड़ों को इकट्ठा किया। घटनास्थल पर अफरा- तफरी का माहौल है। पुलिस लोगों से पूछताछ कर घटना की जानकारी जुटी रही है। वहीं मृतकों के शव को कब्जे में लिया गया है।

बदमाशों ने 11वीं के छात्र को मारी गोली

जौनपुर। जौनपुर जिले के चंदवक थाना क्षेत्र के श्री गणेश राय इंटर कॉलेज के गेट पर 11वीं के छात्र को गोली मारी गई है। छात्र के गले मे दाहिनी तरफ गोली लगी है। स्थिति गंभीर होने के उसे कारण ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर किया गया है। 11वीं की अर्धवार्षिक परीक्षा देकर छात्र आदर्श कुमार सिंह बाहर निकला था। इसी दौरान वारदात को अंजाम दिया गया। प्रथमदृष्टया आशनाई का मामला सामने आया है। बोड़सर गांव निवासी देवेंद्र सिंह का 17 वर्षीय पुत्र आदर्श सिंह (विक्की) श्री गणेश राय इंटर कॉलेज में 11वीं का छात्र है। वह शुक्रवार को परीक्षा देकर स्कूल से बाहर निकला ही था कि पैदल आए दो बदमाशों ने उसे लक्ष्य कर गोली चला दी। गोली उसके गर्दन में लगी। जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा। आसपास मौजूद छात्र कुछ समझ पाते कि तब तक बदमाश मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची चंदवक पुलिस व अध्यापक छात्र को सीएचसी बीरीबारी ले गए। जहां हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। उधर, पुलिस बदमाशों की तलाश में छापेमारी कर रही है। कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया है। चर्चा है कि घटना में शामिल एक युवक क्षेत्र का रहने वाला है।

बिजली का निजीकरण रोकने के लिए नियामक आयोग पहुंचा उपभोक्ता परिषद

लखनऊ(उत्तरशक्ति)। उपभोक्ता परिषद ने शुक्रवार को विद्युत नियामक आयोग में लोक महत्व प्रस्ताव दाखिल किया। निजीकरण के प्रस्ताव पर पूरी तरह से रोक लगाने और इसे निरस्त करने की मांग की। बताया कि गर्मी का मौसम आने वाला है। ऐसे में उपभोक्ताओं के हितों को देखते हुए निजीकरण के बजाय बिजली व्यवस्था सुधारने पर फोकस बढाया जाए। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने शुक्रवार को नियामक आयोग के सदस्य संजय सिंह से मुलाकात की। उन्हें परिषद की ओर से लोक महत्व प्रस्ताव सौंपा। इसमें बताया कि केंद्रीय ऊर्जा राज्य मंत्री की अध्यक्षता में गठित सात सदस्यों वाली ऊर्जा मंत्री समूह के संयोजक प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा है। बृहस्पतिवार को इस समूह की पहली बैठक में ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने उत्तर प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र में चौतरफा सुधार और आरडीएसएस में सर्वोत्तम कार्य होने का दावा किया है। ऐसे में मल्टी ईयर टैरिफ रेगुलेशन 2025 में प्रस्तावित निजीकरण मसौदे को तत्काल रद्द किया जाए। दक्षिणांचल व पूर्वांचल के 42 जिलों में ट्रांजक्शन एडवाइजर नियुक्त करने के बजाय सुधार के लिए कार्य शुरू किया जाए। मंत्री समूह ऊर्जा क्षेत्र में सुधार कार्यक्रम की रणनीति बना रहा है।

पुलिस व राजस्व टीम के सामने चले लाठी-डंडे

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ के पवई थाना क्षेत्र के दत्तापुर गांव में पुलिस और राजस्व टीम के सामने ही दो पक्ष आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले। मारपीट की इस घटना में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। कुछ लोगों के सिर भी फूट गए। मारपीट की इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। हालांकि, पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर संबंधित के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर जांच करने में जुटी हुई है। पवई थाना क्षेत्र के दत्तापुर गांव निवासी विवेक कुमार ने थाने में तहरीर दी है। आरोप लगाया कि उसके पड़ोसी राजनरायन, विजय नरायन, अजय नरायन, हृदय नरायन, प्रदीप, संदीप राजन बीते 27 जनवरी की शाम करीब चार बजे लेखपाल को लेकर उसकी जमीन पर कब्जा कर रहे थे। पीड़ित पक्ष ने इसका विरोध किया तो ये लोग एक साथ मिलकर लाठी-डंडे से मारने-पीटने लगे। इसमें विवेक, उसके पिता माधव प्रसाद उपाध्याय और राजेश को काफी चोटें लगीं। इतना ही नहीं जान से मारने की धमकी देकर वे लोग भाग गए। वहीं, दूसरे पक्ष से अजय नारायण उपाध्याय ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप था कि वह अपनी भूमिधरी को गांव व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि के सामने पैमाइश कराई गई थी। विपक्षी माधव प्रसाद व अन्य ने लेखपाल द्वारा गाड़े गए खूटे को उखाड़ दिए।

धारदार हथियार से ससुर ने बहू को उतारा मौत के घाट

लखीमपुर खीरी(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले से हत्या की दर्दनाक घटना सामने आई है। जहां पर चाय बनाने से मना करने पर ससुर ने धारदार हथियार से बहू की हत्या कर दी। हैरानी की बात यह रही की आरोपी घटना को अंजाम देकर मौके पर बैठा रहा। मिली जानकारी के मुताबिक मितौली थाना क्षेत्र के गांव खंजननगर में 60 साल के शरीफ गाजी ने शुक्रवार को सुबह अपनी बहू सिम्मी (35 वर्ष) की निर्मम तरीके से हत्या कर दी। शरीफ ने बांका व चाकू से बहू पर ताबड़तोड़ वार किए। उसका पेट फाड़ डाला। चेहरे पर भी कई वार किए। जिससे बहू की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी जब पड़ोसियों को हुई तो आनन- फानन में लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को देखकर हक्का बक्का रह गई। पुलिस ने आरोपी शरीफ को हिरासत में लिया। लहूलुहान शव जमीन पर पड़ा था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। आरोपी शरीफ की पत्नी व अन्य बेटे बहुएं भी घर पर नहीं मिली। यहां तक कि मृतका की बेटी और बेटा भी लापता हैं। इनकी तलाश में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि घटना के वक्त मृतका का पति शफीक घर पर मौजूद नहीं था। आरोपी शरीफ का दूसरा बेटा सत्तार कुंभी चीनी मिल गया हुआ था। पुलिस के मुताबिक आरोपी से पूछताछ में पता चला है कि महिला ने चाय बनाने से इनकार कर दिया था। इस पर आरोपी ने गुस्से में उसकी हत्या कर दी।

हत्या कर घर से 400 मीटर दूर नाले में फेंका युवक का शव

सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। सोनभद्र जिले के रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के गौरी निस्फ गांव में युवक की हत्या कर दी गई। उसका शव शुक्रवार की सुबह घर से 400 मीटर दूर नाले में पड़ा मिला। युवक के सिर, हाथ, पैर और कमर पर गहरी चोट मिली है। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की छानबीन की जा रही है। युवक की पहचान अमित कुमार सिंह उर्फ राजा (25) पुत्र संगम सिंह के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार अमित गुरुवार की रात कुछ सामान लेने नंदू जाटव की गुमटी पर गया था। वहां उसका किसी से विवाद हो गया। इसके बाद वह घर लौट आया। परिजनों के अनुसार अमित आमतौर पर अपनी दादी के साथ नए घर में सोता था, जबकि परिवार के बाकी सदस्य पुराने घर में रहते थे। ऐसे में रात में न जाने कब अमित कमरे से बाहर निकला और नाले की तरफ चला गया। उसके शरीर पर कई जगह चोट के निशान मिले हैं। सुबह राहगीरों ने शव देखकर शोर मचाया, जिसके बाद मामले की सूचना पीआरवी पुलिस को दी गई। मौके पर सीओ सिटी डॉ. चारु द्विवेदी, कोतवाल सतेन्द्र सिंह और चौकी इंचार्ज समेत फोर्स पहुंचे।

टेंडर हार्ट इंटरनेशनल स्कूल ने की खेल स्कूल की घोषणा

पटना (उत्तरशक्ति)। टेंडर हार्ट इंटरनेशनल स्कूल में शुक्रवार को एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस प्रेस वार्ता में बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु बच्चों के पढ़ाई के साथ - साथ बच्चों के खेल कूद, एक्टिविटी को प्रोत्साहन देने के लिए एक खेल स्कूल की घोषणा की गई। स्कूल स्पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के द्वारा एक फिट इंडिया स्कूल स्थापित किया गया है, साथ ही नई शिक्षा नीति के अनुसार बच्चों की पढ़ाई के साथ - साथ सभी खेल जैसे तैराकी, वुशु, ताइक्वांडो, टेबल टेनिस, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, योग, मैडिटेशन इत्यादि सभी खेलों का प्रशिक्षण राज्य एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षकों के द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह सारे खेल कूद एवं पढ़ाई की गतिविधियां स्कूल परिसर के आस - पास ही होगी। भारतीय

खेल प्रधिकरण पदाधिकारी सोमेश्वर राव चवान इस प्रयास को सराहनीय बताते हुए बताया कि स्कूल में पढ़ाई के साथ - साथ खेल को महत्वपूर्ण बनाने का प्रयास अत्यंत ही सराहनीय है। इसमें भारतीय खेल प्राधिकरण के द्वारा हर क्षेत्र में सहयोग दिया जाएगा। टेबल टेनिस से अतानु चटर्जी एवं मौसमी चटर्जी, बैडमिंटन से अशोक मिश्रा, फेंसिंग से राकेश कुमार, बास्केटबॉल से शिवम भी इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। विद्यालय के निर्देशक राजीव भार्गव एवं प्रधानाचार्य शिवानी ने बताया कि स्कूल को स्पोर्ट्स स्कूल घोषित करने में अत्यंत ही गर्व महसूस होता है। यहां आठवीं कक्षा से ही बच्चों को करियर काउंसलर, मनोवैज्ञानिक एवं अभिभावकों की सलाह से उनको अपने करियर चुनने का अवसर दिया जाएगा। इंजीनियरिंग, मेडिकल एवं कला निकाय क्षेत्र सभी की पढ़ाई कराई जाएगी एवं विशेष क्लास एवं कोचिंग की व्यवस्था भी स्कूल में कराई जाएगी। कमजोर बच्चों के लिए अलग से रिहैबिलिटेशन क्लासेस की व्यवस्था की जाएगी। आधुनिक शिक्षा में वैज्ञानिक तकनीकियों का समावेश करते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं रोबोटिक की क्लास कक्षा एक से आठवीं तक शुरू की जाएगी। विद्यालय के निर्देशक राजीव भार्गव ने बताया कि मैं आशा करता हूं इस तरह के वैज्ञानिक खेलकूद पद्धति एवं खेलकूद का पढ़ाई में समावेश करने से बच्चों का सर्वांगीण विकास होगा।

गाड़ी से टकराकर दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर तेंदुए की दर्दनाक मौत

मेरठ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के मेरठ में दिल्ली-मेरठ हाईवे पर देर शाम एक हादसे में एक तेंदुए की मौत हो गई। ये हादसा काशी टोल प्लाजा के पास हुआ जहां अज्ञात वाहन की टक्कर में तेंदुए ने तड़पकर दम तोड़ दिया। घटना की सूचना वन विभाग की टीम को दी गई तो उनमें हड़कंप मच गया और आनन फानन में पुलिस और वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर मृत तेंदुए के शव को कब्जे में ले लिया। दरअसल, मेरठ के परतापुर थाना क्षेत्र के काशी टोल प्लाजा के दिल्ली-मेरठ हाईवे पर गुरुवार देर शाम तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से एक नर तेंदुए की मौत हो गई। वहीं घटना की सूचना मिलने पर हड़कंप मच गया और घटना की सूचना वन विभाग को दी गई। आनन-फानन में पुलिस के साथ-साथ वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और मृत तेंदुए के शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं वन विभाग की टीम के साथ पुलिस भी इलाके के सीसीटीवी की फुटेज खंगालने में जुटी हुई है। जिससे कि पता लग सके की कौन से वाहन से इस तेंदुए की टक्कर लगने से मौत हुई है। बताया जा रहा है कि बीते कुछ समय पहले थाना क्षेत्र के ही इलाके में तेंदुए को देखे जाने की टीम को सूचना दी गई थी लेकिन वन विभाग की टीम ने इसे अफवाह बताया था। इस घटना ने एक बार फिर से वन्यजीवों की सुरक्षा और सड़क दुर्घटनाओं में उनकी मौत पर सवाल खड़े कर दिए हैं। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे जैसे व्यस्त राजमार्गों पर वाहनों की तेज रफ्तार वन्यजीवों के लिए घातक साबित हो रही है।

आवारा कुत्तों का आतंक, नोंचकर ले ली 3 साल के मासूम की जान

मथुरा(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में आवारा कुत्तों ने घर के बाहर खेल रहे तीन साल के बच्चे को मार डाला। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना कोसीकलां शहर की ईदगाह कॉलोनी की है, जहां बुधवार को घर के बाहर खेलते समय खूंखार आवारा कुत्तों के एक झुंड ने बच्चे को अकेला पाकर घेर लिया और कुछ ही पलों में उसे लहूलुहान कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने तुरंत यह सूचना बच्चे के परिजनों को दी। वे उसे उपचार के लिए पास के अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देख उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। लेकिन उपचार के लिए ले जाते समय रास्ते में ही बच्चे की मृत्यु हो गई। छाता के पुलिस क्षेत्राधिकारी आशीष शर्मा ने बताया कि जानकारी मिली है कि कस्बे के दिल्ली गेट मोहल्ला स्थित ईदगाह कॉलोनी निवासी सोफियान (तीन) बुधवार को अपराह्न तीन बजे के करीब घर के बाहर खेल रहा था, तभी कहीं से लड़ते हुए आए कुछ आवारा कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया और उसे घसीटते हुए ले गए तथा बुरी तरह उस पर टूट पड़े। उन्होंने बताया कि जब गली के ही कुछ बच्चों ने यह दृश्य देखा तो दौड़कर उसके घरवालों को बताया। वे सभी सन्न रह गए। उन लोगों ने भागकर कुत्तों को डंडे से मारकर भगाया, लेकिन तब तक वे बच्चे को बुरी तरह से घायल कर चुके थे। बच्चे के शरीर पर जगह-जगह कुत्तों के दांत एवं पंजों से बने जख्म थे। परिजन मासूम सोफियान को लेकर एक निजी अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत देख उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन जब घायल बच्चे को मथुरा ले जा रहे थे तभी रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। परिजनों के अनुसार, वह तीन भाइयों में सबसे छोटा था।

बिजली के तार के ऊपर पेड़ गिरने से पोल टूटा, खेल रहे किशोर की दबकर मौत

जालौन(उत्तरशक्ति)। जालौन जिले में आटा थाना क्षेत्र के ग्राम संदी में पेड़ काटने के बाद ट्रैक्टर से खींचने पर पेड़ बिजली तार पर गिरने से पोल टूट गया। इसके नीचे दबकर दस वर्षीय किशोर की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कई बच्चे हादसे का शिकार होने से बच गए। वहीं, घटना से मौके पर खलबली मच गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने किशोर के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। किशोर की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। थाना क्षेत्र के ग्राम संदी निवासी राजेंद्र बाबु उर्फ रजन का पुत्र देव (10) घर से 20 मीटर दूरी पर ही मोहल्ले के बच्चों के साथ कंचे खेल रहे था। वहीं, पास में पेड़ को काटा जा रहा था।

मृत श्रद्धालुओं की आत्मा की शांति के लिए गया में हवन

गया (उत्तरशक्ति)। गया जिले के प्रसिद्ध फल्गु नदी के किनारे स्थित सीताकुंड में शुक्रवार को महाकुंभ के दौरान भगदड़ में मारे गए श्रद्धालुओं की आत्मा की शांति के लिए हवन कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह हवन विभिन्न राजनीतिक दलों, समाजसेवियों और कार्यकताओं द्वारा किया गया। इसमें महाकुंभ में हुई श्रद्धालुओं की मौत के प्रति शोक व्यक्त किया गया और उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना की गई। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों में प्रयागराज के महाकुंभ मेले में भगदड़ के कारण कई श्रद्धालुओं की जान चली गई थी। इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कार्यक्रम में शामिल लोगों ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से घटना के जिम्मेदारों की पहचान कर कठोर कार्रवाई की मांग की। लोगों ने यह भी कहा कि महाकुंभ जैसा बड़ा आयोजन श्रद्धालुओं से भरा होता है

और इस प्रकार की दुर्घटनाएं कभी-कभी होती रहती हैं। बावजूद इसके, भगदड़ जैसी घटनाओं की जिम्मेदारी तय करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए उपायों की आवश्यकता है। हवन कार्यक्रम फल्गु नदी के तट पर स्थित सीता कुंड में आयोजित किया गया। यह वही स्थल है जहां भगवान श्री राम और माता सीता ने अपने पिता राजा दशरथ को मोक्ष दिलाने के लिए बालू का पिंडदान किया था। कार्यक्रम में शामिल हुए मनीष कश्यप ने बताया कि महाकुंभ में हुई इस दुखद घटना के बाद श्रद्धालुओं की आत्मशांति के लिए हवन किया जा रहा है। गया को मोक्ष की नगरी के रूप में जाना जाता है और यहां हर साल लाखों तीर्थयात्री आते हैं।

हवन में शामिल लोगों ने कहा कि महाकुंभ में कोई न कोई कमी जरूर रही होगी, जिसके कारण इस तरह की भगदड़ जैसी घटना हुई। घटना के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पर ध्यान दिया है और घटना के कारणों की जांच की जा रही है। हवन कार्यक्रम के दौरान सभी ने प्रार्थना की कि बचे हुए महाकुंभ के दिन शांति और व्यवस्था बनी रहे और मेला अच्छे तरीके से संपन्न हो।

महाकुंभ मेले में चार फरवरी तक वाहनों के प्रवेश पर रोक

प्रयागराज(उत्तरशक्ति)। मौनी अमावस्या पर हुए हादसे के बाद श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए मेला पुलिस ने कड़े कदम उठाए हैं। शुक्रवार से वसंत पंचमी स्नान (तीन फरवरी) के अगले दिन (चार फरवरी) तक मेला क्षेत्र को नो व्हीकल जोन घोषित कर दिया गया है। इसके तहत प्रशासनिक और चिकित्सा संबंधी वाहनों के अलावा अन्य वाहनों पर मेला क्षेत्र में पाबंदी रहेगी।

डीआईजी मेला वैभव कृष्ण का कहना है कि भीड़ बढ़ने पर पासधारक वाहनों पर भी प्रतिबंध लगाया जा सकता है। डीआईजी मेला ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत 31 जनवरी, 1, 2, 3 व 4 फरवरी को मेला क्षेत्र नो व्हीकल जोन रहेगा। मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं के आवागमन की व्यवस्था सुचारू रखने के लिए यह कदम उठाए गए हैं। शासन ने मौनी अमावस्या के महास्नान से दो दिन पहले और दो दिन बाद तक वाहनों के मेला क्षेत्र में आने पर प्रतिबंध पहले से ही लागू कर रखा है। यानी, 31 जनवरी तक मेला क्षेत्र नो व्हीकल जोन पहले से ही घोषित है। अन्य प्रमुख स्नान पर्वों पर यह प्रतिबंध एक दिन पहले-एक दिन बाद तक लागू है। इस लिहाज से वसंत पंचमी पर यह प्रतिबंध दो से चार फरवरी तक लगना था।

मगर, बीते स्नान पर्वों के अनुभवों को देखते हुए एक फरवरी को भी प्रतिबंध के दायरे में ले लिया गया है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की मुश्किलों की सामना न करना पड़े। कमिश्नरेट के डीआईजी व नोडल अफसर (महाकुंभ) डॉ. अजय पाल शर्मा ने बताया कि वसंत पंचमी पर ह्यडी-1, डी+1ह्न प्लान लागू किया जाएगा। इसके तहत तीन फरवरी से एक दिन पहले व बाद में (यानी दो से चार फरवरी तक) शहर में कोई वाहन नहीं घुस पाएगा। पासधारक वाहनों पर भी यही व्यवस्था लागू रहेगी। श्रद्धालुओं की बसों, मिनी बसों या कारों को नजदीकी पार्किंग स्थलों पर ही खड़ा करा लिया जाएगा।

वहां से वह शटल बसों या अन्य छोटे वाहनों से मेला क्षेत्र के आसपास पार्किंग स्थल तक आ सकेंगे। उन्हें पैदल जाकर निकटतम घाट पर स्नान करके इसी तरह लौटना होगा।

मौनी अमावस्या के दिन कुंभनगरी में उमड़ी करोड़ों की भीड़ के कारण जिले में प्रवेश के सारे रास्ते सील कर दिए गए थे। इस कारण हजारों लोगों ने होटलों में अपनी बुकिंग रद्द करा दी। वह रास्ते में ही फंसे रह गए। इससे होटलों को काफी नुकसान हुआ है। हालांकि, टेंट सिटी सात फरवरी तक अब भी नो रूम है।

जिले की सीमाएं सील होने की वजह से जिन लोगों को मौनी अमावस्या पर प्रयागराज आना था, उनमें से कई लोग यहां नहीं आ सके। कोटा राजस्थान के सुनील शर्मा अपने वाहन से प्रयागराज आ रहे थे, लेकिन फतेहपुर में उन्हें जब सूचना मिली कि प्रयागराज में दूसरे राज्यों के वाहनों की नो इंट्री है तो उन्होंने होटल की बुकिंग निरस्त कर दी।

होटल कारोबारी योगेश गोयल बताते हैं कि 28 और 29 की जो बुकिंग थी उसमें से कुछ गेस्ट शहर में प्रवेश ही नहीं कर सके। इस वजह से उनकी बुकिंग निरस्त करनी पड़ी। कहा कि पांच फरवरी के बाद की बुकिंग को लेकर पूछताछ बढ़ी है।

टीपीएस कॉलेज में आठ कुलपतियों को किया जाएगा सम्मानित

पटना(उत्तरशक्ति)। टीपीएस कॉलेज में पांच फरवरी को मुख्य भवन के लिफ्ट का उद्घाटन सह कुलपति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। पहलीबार एक साथ आठ कुलपति एक कॉलेज के कार्यक्रम में शामिल होंगे। इनमें सात वर्तमान समय में सूबे के अलग-अलग विश्वविद्यालयों के स्थायी कुलपति शामिल होंगे। वहीं पटना विवि के पूर्व कुलपति और भूगोलविद प्रो रासबिहारी प्रसाद सिंह भी शामिल होंगे। कॉलेज के प्राचार्य प्रो उपेन्द्र प्रसाद सिंह ने बताया कि मुख्य भवन के लिफ्ट का उद्घाटन बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग के अध्यक्ष प्रो गिरीश कुमार चौधरी करेंगे। वहीं नवनियुक्त कुलपतियों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में पाटलिपुत्र विवि के कुलपति प्रो शरद कुमार यादव, पटना विवि के कुलपति प्रो अजय कुमार सिंह, मगध विवि के कुलपति प्रो प्रो शशि प्रताप शाही, श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि, रांची के कुलपति प्रो तपन शांडिल्य, मुंगेर विवि के कुलपति प्रो संजय कुमार, पूर्णियां विवि के कुलपति प्रो विवेकानंद सिंह, एनओयू के कुलपति प्रो रविन्द्र कुमार और पीयू के कुलपति प्रो रासबिहार प्रसाद भी शामिल होंगे। इसके अलावा विश्वविद्यालय के पदाधिकारी और कई कॉलेज के प्राचार्यों का आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि सरकार कॉलेज को करीब 12 करोड़ रुपये की राशि अवांटित हुई है। इसका कार्य भी जल्द आरंभ होगा। दो नए भवन कॉलेज में बनाए जाएंगे। इसकी प्रक्रिया जल्द शुरू होने वाली है।

अधिक किराया वसूली में वाहन होगा सीज

वाराणसी। महाकुंभ के पलट प्रवाह के बीच श्रद्धालुओं से अवैध किराया वसूली को लेकर परिवहन विभाग सख्त है। गुरुवार को हरहुआ स्थित कार्यालय में परिवहन अधिकारियों ने ऑटो, ई-रिक्शा यूनियन संग बैठक की। इस बीच, आरटीओ प्रशासन शिखर ओझा और आरटीओ प्रवर्तन मनोज वर्मा ने यूनियन पदाधिकारियों से कहा कि अधिक किराया वसूली की शिकायत मिली तो वाहन सीज के साथ ही परमिट भी निरस्त कर दिया जाएगा। ऑटो यूनियन अध्यक्ष भगवान सिंह ने कहा कि कोई भी ऑटो चालक यदि अधिक किराया वसूली में लिप्त पाया गया तो उसे एसोसिएशन से निष्कासित कर दिया जाएगा, साथ ही अन्य कार्यवाही की जाएगी। श्रद्धालुओं के साथ ऐसा कृत्य अक्षम्य है। सड़क सुरक्षा माह के तहत वाराणसी-जौनपुर मार्ग पर ओवरस्पीड वाहनों की जांच में 53 वाहनों का ओवरस्पीड में चालान किया गया।

गोद में मासूम को लिए मां को ढूंढती रही बेटी, शव देखा तो बिलख पड़ी

सरायमीर,आजमगढ़। प्रयागराज महाकुंभ में हुए हादसे में आजमगढ़ की एक महिला की मौत हो गई। उसका शव घर पहुंचा तो चीख-पुकार मच गई। रसूलपुर बरवा गांव की महिला अपनी बेटी-बहू समेत 10 लोगों के साथ स्नान करने के लिए गई हुई थी। हादसे के बाद उसकी बेटी अपनी छह माह की बच्ची और भाभी को साथ में लेकर अपनी मां को ढूंढती रही। घंटों बाद शव मिला तो बिलखने लगी। बुधवार की रात 10 बजे महिला का शव उसके घर पहुंचा तो परिवार में कोहराम मच गया। अभी भी चार लोग प्रयागराज में ही फंसे हुए हैं। सरायमीर थाना क्षेत्र के रसूलपुर बरवा गांव निवासी कमलावती चौहान (53) पत्नी बृजलाल चौहान 28 जनवरी को बेटी आकांक्षा, नातिन अछिता (6 माह) और बहू सुषमा सहित 10 लोग के साथ प्रयागराज महाकुंभ में गई हुई थीं। अमृत स्नान के समय भीड़ अनियंत्रित हो गई जिससे हादसा हो गया। इसमें कमलावती चौहान का हाथ उनकी बेटी और बहू से छूट गया। इससे सभी अलग-अलग हो गए। हादसे में किसी तरह बेटी ने छह माह की बेटी को तो बचा लिया, लेकिन अपनी मां को नहीं बचा सकी। इस हादसे में कमलावती चौहान की मौत हो गई। देर रात कमलावती का शव घर पहुंचा तो कोहराम मच गया। आसपास के लोगों ने परिजनों को ढांढस बंधाया। शव के साथ सुषमा, आकांक्षा, मीना, जनीता, अक्षिता घर आईं। जबकि उनके साथ गई आसमानी, कैलाशपति, बदामी व सविता अभी भी प्रयागराज में फंसे हुए हैं। अभी वह घर नहीं पहुंचे हैं। परिवार के लोग बार-बार फोन कर उसकी जानकारी ले रहे हैं। मृतक कमलावती के पति बृजलाल चौहान कतर में रहकर काम करते हैं। महाकुंभ में पत्नी के मौत की खबर सुनते ही वह कतर से आजमगढ़ के लिए रवाना हो गए। परिवार के लोग उनके आने का इंतजार कर रहे हैं। उनके आने के बाद कमलावती के शव का अंतिम संस्कार किया जाएगा। इस घटना से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

चुनावी रंजिश में गोली मारकर अधेड़ की हत्या

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ जिले के पवई थाना क्षेत्र के सलारपुर गांव में चुनावी रंजिश को लेकर एक अधेड़ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने पूर्व प्रधान व वर्तमान प्रधान के बेटे सहित कुल पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर घटना की छानबीन में जुटी हुई है। इस घटना से पूरे परिवार में मातम पसरा हुआ है। मृतक अजय कुमार सिंह की पत्नी सुनीता सिंह ने थाने में तहरीर दी है। आरोप है कि उनके पति अजय कुमार सिंह बुधवार की शाम घर से बाइक लेकर निकले थे। जब काफी देर तक वापस घर नहीं आए तो सुनीता ने उनके मोबाइल पर फोन किया। जब फोन भी नहीं उठा तो उसने अपने बेटे शिवा सिंह और भतीजे अंकित सिंह को अपने पति को ढूंढने के लिए भेजा। गांव में काफी तलाश किया लेकिन, अजय का कुछ पता नहीं चल सका। उधर, गांव के बाहर पश्चिम की तरफ मंदिर के पास उसका शव पड़ा हुआ मिला। सिर से खून बहकर जमीन पर फैला था। जिसे देखकर बेटे और भतीजे ने सुनीता को फोन कर इसकी जानकारी दी। पत्नी का आरोप है कि उसके पति का पूर्व में ग्राम रामनगर के शिवम सिंह, रमन, अपने ग्राम सलारपुर के वर्तमान प्रधान के बेटे गिरिजा राजभर, गांव के पूर्व प्रधान देवेंद्र सिंह उर्फ संजय सिंह व राजेश धूरिया आदि से विवाद चल रहा था। इसी को लेकर पति की हत्या कर दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी ग्रामीण चिराग जैन, पवई थाना व फूलपुर कोतवाली की पुलिस व क्षेत्राधिकारी फूलपुर भी मौके पर पहुंच गए। वहीं, घटना की जांच के लिए एसओजी, सर्विस टीम, डॉग स्क्वायड व फिल्ड यूनिट टीम भी मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। मृतक अजय कुमार सिंह पास के ही एक इंटर कॉलेज में लिपिक के पद पर काम करता था।

सिर पर ईंट मारकर युवक की हत्या

इटावा (उत्तरशक्ति)। इटावा जिले में गांव नगला गड़रियान में गुरुवार रात मोबाइल चोरी के विवाद में पूर्व प्रधान व उनके बेटे ने ईंट मारकर युवक की हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की है। मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने पूर्व प्रधान व उसके बेटे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। गुरुवार रात करीब आठ बजे गांव के राजवीर उर्फ वीरेंद्र सिंह अपने घर के बाहर खड़ा था। इस दौरान पड़ोस के घर में रहने वाले पूर्व प्रधान विश्राम सिंह व उनके बेटे सिंटू से राजवीर के छोटे भाई विजय की मोबाइल चोरी को लेकर कहासुनी हो गई। विजय का आरोप था कि सिंटू ने उसका मोबाइल चोरी कर लिया है। विवाद बढ़ता देखकर राजवीर भी पहुंच गए। इस पर पूर्व प्रधान और उनका बेटा हमलावर हो गए। राजवीर ने गली में भागकर बचने का प्रयास किया। इस पर पूर्व प्रधान के बेटे सिंटू ने पीछे से ईंट फेंककर उसके सिर में मार दी। इससे वह मौके पर ही गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई। मृतक के छोटे भाई विजय ने तहरीर देकर सिंटू और उसके पिता के विश्राम सिंह के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

महाकुंभ के 19वें दिन संगम में डूबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 30 करोड़ के पार

0-महाकुम्भ की भव्यता दिव्यता के लिए गदगद हुए अखाडों के संत

कहा, पवित्रता और सुगम स्नान के लिए सीएम योगी की जितनी पूज्य प्रशंसा किया जाए कम है

0- भूतो न भविष्यते वाली है व्यवस्थाएं

0- तीर्थराज प्रयागराज में श्रद्धालुओं को पवित्र माहौल देने के लिए सभी संतों ने मुख्यमंत्री को कहा धन्यवाद

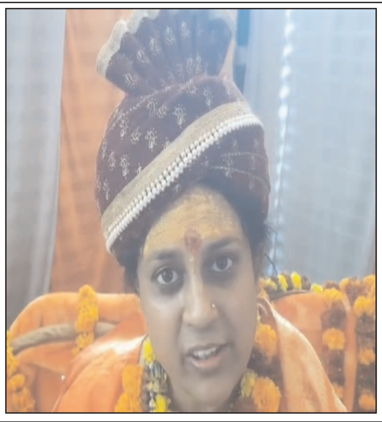

-सुरेश गांधी

महाकुम्भ नगर। तीर्थराज प्रयागराज में सनातन आस्था का महापर्व महाकुम्भ चल रहा है। महाकुम्भ में करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन पवित्र त्रिवेणी में स्नान करने प्रयागराज आ रहे हैं। लोग सनातन धर्म के प्रति अपनी आस्था और श्रद्धा को पूरी पवित्रता के साथ संपन्न कर पा रहे हैं, उसके लिए पूरा क्रेडिट योगी सरकार और मेला प्रशासन को जाता है जिसने दिन रात मेहनत करके श्रद्धालुओं और संतों के लिए व्यवस्थाओं को सुनिश्चित किया है। अखाड़े से जुड़े संत और संन्यासियों का भी मानना है कि जो व्यवस्थाएं इस बार महाकुम्भ के लिए की गई हैं, न पहले कभी की गईं और न ही इनके विषय में सोचा गया। सभी ने एक सुर में इन व्यवस्थाओं और सुविधाओं के लिए योगी सरकार और खासकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद दिया।

महाकुम्भ की व्यवस्थाएं बहुत सुंदर हैं। योगी सरकार और मेला प्रशासन दिन रात मेहनत कर रहा है। यहां तक कि अधिकारी बिना सोए काम कर रहे हैं। उनकी कोशिशों का ही नतीजा है कि करोड़ों भक्त पूरी दुनिया से यहां आ रहे हैं और महाकुम्भ का आनंद ले रहे हैं। यहां सकारात्मक ऊर्जा का संचार चारों दिशाओं में व्यावप्त है। मुख्यमंत्री जी की व्यवस्था को साधुवाद है।

-स्वामी चरणाश्रीत गिरि महाराज, महामंडलेश्वर श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा और स्वर योग पीठाधीश्वर

जो व्यवस्थाएं सरकार ने यहां की हैं उसको लेकर लोग बहुत खुश हैं। यहां पर गंगा, यमुना और सरस्वती का पवित्र संगम हो रहा है, जिससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। सकारात्मक ऊर्जा के साथ-साथ स्वच्छता के जो कार्य हो रहे हैं वो सराहनीय हैं। इस पवित्र माहौल में लोगों के लिए पावन डुबकी और भी अलौकिक हो जाती है। योगी सरकार ने जो भव्य आयोजन का संकल्प लिया है उसके कारण लोगों को यहां आकर यह अवसर मिल रहा है, जिसके लिए सीएम योगी का बहुत बहुत आभार है।

-स्वामी आत्मवंदना गिरि महाराज, महामंडलेश्वर श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा

ये सीएम योगी की प्रशासन व्यवस्था का ही परिणाम है कि स्थिति को तत्काल नियंत्रित किया जा सका और उसके बाद भी करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु बिना किसी परेशानी और व्यवधान के संगम में स्नान कर पा रहे हैं। नागालैंड, जम्मू कश्मीर से लेकर केरल के अंतिम गांव से भी श्रद्धालु पवित्र त्रिवेणी में स्नान करने आ रहे हैं। ये सीएम योगी और सनातन परंपरा को बदनाम करने का प्रयत्न है। महाकुम्भ में प्रशासन व्यवस्था पूरी तरह व्यवस्थित है किसी तरह की कोई परेशानी नहीं है।

-स्वामी अधोक्षजानंद जी महाराज, गोवर्धन पीठाधीश्वर

महाकुम्भ में अब तक 30 करोड़ से अधिक लोग स्नान कर चुके हैं। व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा चुका है और श्रद्धालु सुगम और सुव्यवस्थित तरीके से संगम में स्नान कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर जानबूझ कर कुछ शरारती तत्व अफवाहें फैला रहें हैं, झूठे वीडियो बना रहे हैं, शीघ्र ही उन पर कार्यवाही की जाएगी। श्रद्धालुओं को भ्रमित होने की जरूरत नहीं है वो महाकुम्भ सुगम तरीके आये और संगम स्नान कर सकते हैं।

-महंत बालकनाथ योगी

मैंने 2013 और 2019 के महाकुम्भ और कुम्भ मेले भी देखे हैं लेकिन जैसी व्यवस्था इस महाकुम्भ की गई है वो भूतो न भविष्यति की उक्ति पर पूरी तरह खरी बैठती है। ये महाकुम्भ अद्भुत है अविश्वसनीय है, श्रद्धालु बिना किसी भय के महाकुम्भ में आये भगवान प्रयागराज की सब पर कृपा बनी हुई है। महाकुम्भ 2025, जन्म जन्मांतर के पापों से मुक्त होने के लिए बहुत सुंदर अवसर है। प्रशासन व्यवस्था पूरी तरह से दिन रात श्रद्धालुओं की सेवा में कार्यरत है।

-श्रीमहंत योगी रामनाथ जी महाराज

रचित शुक्ल का जन्मदिन मनाया गया

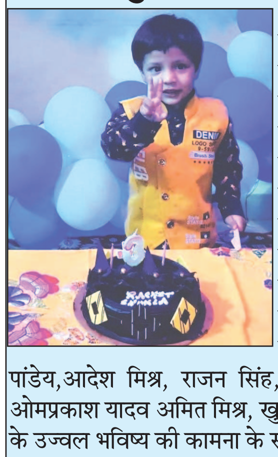

मुंबई। घाटकोपर स्थित अमृतनगर में गत दिनों कल्पना अरविंद शुक्ला के सुपुत्र रचित शुक्ल के जन्मदिन के अवसर पर विधि विधान के साथ वैदिक मंत्रोचार से पूजा पाठ किया गया तथा केक काटकर जन्मदिन मनाया गया तथा रचित के जन्मदिन पर श्री रामलीला उत्सव समिति के प्रमुख मार्गदर्शक चंद्रशेखर आर शुक्ल, दिवाकर मिश्र, सर्वदेव पांडेय, दलजीत पांडेय, विमलेश मिश्र, मनिकेश तिवारी,बृजेश शुक्ल, दिनेश सिंह, अवधेश तिवारी, सुनील सिंह, मनीष पांडेय,अल्पना पांडेय,आदेश मिश्र, राजन सिंह, राजेश सिंह,राकेश दुबे, प्रेम तिवारी, ओमप्रकाश यादव अमित मिश्र, खुशी,भूमि शुक्ला सहित कई लोगों ने रचित के उज्वल भविष्य की कामना के साथ शुभमनाएं दी।

लेनोवो ने छपरा में अपना पहला एक्सक्लूसिव स्टोर लॉन्च किया

छपरा। वैश्विक तकनीकी में दिग्गज, लेनोवो ने पूर्वी भारत में 8 नए और नए स्टोर खोलकर अपनी रिटेल उपस्थिति को मजबूत किया है, जिससे इस क्षेत्र में एक मार्केट लीडर के रूप में इसकी स्थिति और मजबूत हुई है। इस विस्तार के साथ, लेनोवो के अब पूर्वी भारत में 50 से अधिक स्टोर है, जो क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने और पहुंच को बढ़ाने की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

ये स्टोर प्रमुख शहरों जैसे रायपुर, कोरबा, बिलासपुर, गुवाहाटी, कोलकाता, छपरा और रांची में स्थित हैं, और लेनोवो के एआई-संचालित उपभोक्ता और गेमिंग उत्पादों की व्यापक श्रृंखला पेश करते हैं, जिसमें लैपटॉप, डेस्कटॉप, मॉनिटर और एक्सेसरीज शामिल हैं। प्रत्येक स्टोर में एक आकर्षक अनुभव दिया जाता है, जिसमें इंटरएक्टिव डिस्प्ले और अभिनव उत्पाद प्रदर्शन शामिल है, जो ग्राहकों को सीधे तौर पर उत्पादों का अनुभव करने और जानकार स्टाफ से उत्पाद डेमो, तकनीकी सहायता, और कस्टमाइजेशन विकल्प प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है। खरीदार भारत में हाल ही में लॉन्च किए गए डिवाइस जैसे एलओक्यू, लीजन, आइडियापैड, योगा, थिंकपैड और थिंकबुक सीरीज को देख सकते हैं, जो उनकी जरूरतों के अनुसार डिजाइन की गई हैं। राघवेन्द्र अरवीती, सेल्स हेड, नॉर्थ और ईस्ट इन्न कंज्यूमर बिजनेस ने कहा, भारत में हमारे रिटेल नेटवर्क का विस्तार करना हमारे स्मार्ट टेक्नोलॉजी को उपभोक्ताओं तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। ये नए स्टोर इनोवेशन हब के रूप में काम करते हैं, जो व्यक्तिगत सेवा प्रदान करते हैं और ग्राहकों को हमारे विविध उत्पाद रेंज का पता लगाने और एआई-संचालित तकनीक का प्रत्यक्ष अनुभव करने का अवसर देते हैं। हमारे उत्पादों और सेवाओं का पोर्टफोलियो छात्रों, गेमर्स, पेशेवरों और व्यवसायों के लिए उत्पादकता, सीखने और रचनात्मकता को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। ये नए आउटलेट्स इन क्षेत्रों में तकनीकी की बढ़ती मांग को पूरा करते हैं, जिससे ग्राहकों को लेनोवो के एआई-सक्षम गेमिंग, उपभोक्ता और व्यावसायिक डिवाइसेस की व्यापक रेंज तक पहुंच मिलती है। नए स्थानों के अलावा, कई मौजूदा स्टोर्स को फिर से नवीनीकृत किया गया है और स्थानांतरित किया गया है, ताकि वे गतिशील तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र में इनोवेशन और सहभागिता के हब के रूप में काम कर सकें। लेनोवो अब इन क्षेत्रों में एक्सप्रेस

सीसीटीवी फुटेज और टोपोग्राफी के आधार पर होगी मौनी अमावस्या हादसे की सघन जांच

* तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग की टीम प्रयागराज पहुंची, जांच ने पकड़ी रफ्तार

* आयोग के सदस्यों ने प्रयागराज में अधिकारियों के साथ की पहली बैठक, घटनास्थल का भी किया निरीक्षण

* जांच आयोग के अध्यक्ष बोले- घटनास्थल की टोपोग्राफी और परिस्थितियों का किया जा रहा अध्ययन

* कहा- सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूतों का गहराई से किया जाएगा विश्लेषण, घायलों से भी जुटाएंगे जानकारी

महाकुम्भनगर। महाकुम्भ में मौनी अमावस्या स्नान पर हुए हादसे की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग ने अपनी कार्यवाही तेज कर दी है। आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति हर्ष कुमार ने शुक्रवार को प्रयागराज में अधिकारियों के साथ पहली बैठक की। बैठक के बाद आयोग ने संगम नोज के निकट घटनास्थल का निरीक्षण भी किया। जांच आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति हर्ष कुमार ने कहा कि घटनास्थल की टोपोग्राफी और परिस्थितियों का अध्ययन किया जा रहा है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूतों का गहराई से विश्लेषण किया जाएगा।

बता दें कि प्रयागराज महाकुम्भ में मौनी अमावस्या के मौके पर स्नान के लिए उमड़ी भीड़ में भगदड़ की स्थिति बन गई, जिसमें 30 लोगों की मौत हो गई थी और 60 अन्य घायल हो गए थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे की जांच के लिए तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन किया था। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति हर्ष कुमार की अध्यक्षता वाले इस आयोग में सेवानिवृत्त आईएएस अफसर डी. के. सिंह और सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी वी. के. गुप्ता भी शामिल हैं। आयोग को अपने गठन के एक महीने के अंदर मामले की जांच रिपोर्ट देनी होगी। इस सिलसिले में जारी अधिसूचना के मुताबिक आयोग भगदड़ के कारणों और परिस्थितियों की जांच करेगा। साथ ही भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने के सिलसिले में सुझाव भी देगा।

घटनास्थल की जमीनी सच्चाई पर फोकस

आयोग ने अधिकारियों से हादसे की परिस्थितियों और इलाके की भौगोलिक स्थिति पर विस्तृत जानकारी ली। न्यायमूर्ति हर्ष कुमार ने बताया कि यह आकस्मिक दुर्घटना थी लेकिन इसके पीछे के कारणों को सिलसिलेवार तरीके से समझने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि घटनास्थल पर निरीक्षण पूरा कर लिया गया है, लेकिन अगर दोबारा जांच की जरूरत पड़ी तो टीम फिर आएगी। आयोग के सदस्य, सेवानिवृत्त आईएएस डीके सिंह और सेवानिवृत्त आईपीएस वीके गुप्ता ने भी जांच में तेजी लाने की बात कही है। आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि हमारे पास केवल एक महीने का समय है, लेकिन जांच को प्राथमिकता के साथ तेजी से पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि जांच प्रक्रिया से महाकुम्भ में कोई व्यवधान न हो, इसका ध्यान रखा जाएगा। आयोग सभी तथ्यों का गहन विश्लेषण कर किसी ठोस निष्कर्ष पर पहुंचेगा।

घायलों से जानकारी जुटाई जाएगी

आयोग ने अस्पताल जाकर घायलों से भी बातचीत करने की योजना बनाई है। न्यायमूर्ति हर्ष कुमार ने कहा कि घायलों से मिली जानकारी जांच को सही दिशा देने में मदद करेगी। किसी एक पहलू पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय सभी संभावित कारणों पर विचार किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इससे पहले, आयोग के तीनों सदस्यों ने गुरुवार को लखनऊ के जनपथ स्थित अपने कार्यालय में पहुंचकर कामकाज की शुरूआत की थी। आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) हर्ष कुमार ने बताया था कि जांच को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाना है इसलिए हमने घोषणा के कुछ ही घंटों के भीतर कार्यभार संभाल लिया है।

अमेजन एमएक्स प्लेअर के स्ट्रीमनेक्स्ट इवेंट में भारत में मुफ़्त मनोरंजन के भविष्य की रूपरेखा पेश की

मुंबई। अमेजन एमएक्स प्लेअर के स्ट्रीमनेक्स्ट इवेंट के पहले संस्करण में वैश्विक मार्केटिंग लीडर, सर मार्टिन सोरेल, बेनेडिक्ट इवांस और प्रमुख मनोरंजन उद्योग की हस्तियों ने भाग लिया। यह स्टार-स्टडेड इवेंट भारत में कंटेंट की खपत के बदलते परिप्रेक्ष्य को प्रदर्शित करने के साथ यह दिखाता है कि कैसे अमेजन एमएक्स प्लेअर विज्ञापनदाताओं के लिए मजबूत और अविस्मरणीय ब्रांड बनाने में एक परिवर्तनकारी साझेदार बन रहा है। बॉबी देओल (आश्रम 3), सुनील शेट्टी और जैकी श्रॉफ (हंटर 2), रेमो डिसूजा और मलाइका अरोड़ा (हिप हॉप इंडिया 2), अशनीर ग्रोवर (राइज एंड फॉल) जैसी प्रमुख हस्तियों की शानदार उपस्थिति के बीच, अमेजन एमएक्स प्लेअर ने 2025 के लिए अपनी 100 से अधिक नई शोज की सूची पेश की। अमेजन एड्स इंडिया के प्रमुख गिरीश प्रभु ने कहा, आज की बैठक का उद्देश्य अमेजन एमएक्स प्लेअर की विशाल पहुंच को एक साथ लाना है, जो विज्ञापन तकनीक के साथ अमेज़ॅन के खरबों ग्राहक को एक साथ लेकर आती है। यह सभी ब्रांडों को सक्षम बनाने के बारे में है, न कि सिर्फ उन ब्रांडों को जो Amazon.in, पर बिकते हैं, ताकि वे भारत में 250 मिलियन से अधिक विशिष्ट उपयोगकताओं तक पहुंच सकें और प्रासंगिक विज्ञापन दे सकें। यह सीधे परिणाम मापने के बारे में है, जो किसी उत्पाद या ब्रांड के बारे में प्रारंभिक जागरूकता से लेकर अंतिम खरीद निर्णय तक होता है। फुल फनल विज्ञापन अब यहाँ पर है! हिट ओरिजिनल, रियलिटी शो और एमएक्स Vdesi (विदेसी) कंटेंट के साथ जिसमें के-ड्रामा, मंदारिन, तुर्की शो और अन्य बहुत कुछ शामिल है, अमेजन एमएक्स प्लेयर भारत के सबसे बड़े मनोरंजन स्थलों में से एक है। अमेजन एमएक्स प्लेयर के प्रमुख करण बेदी ने कहा, ₹भारत में कोई अन्य स्ट्रीमिंग सेवा नहीं है जो मुफ्त में इतने बड़े पैमाने पर कंटेंट उपलब्ध कराती हो। बेदी ने यह भी बताया कि MX MX Player ऐप भारत में सबसे ज्यादा डाउनलोड किए जाने वाले ऐप्स में से एक है, जिसमें प्ले स्टोर पर 1.4 बिलियन से अधिक डाउनलोड हो चुके हैं। इसके अलावा, अमेजन एमएक्स प्लेअर को एक विस्तृत रेंज के प्लेटफार्मों पर बिना किसी बाधा के एक्सेस किया जा सकता है, जिसमें भारत का सबसे बड़ा ईकॉमर्स ऐप Amazon.in, प्राइम वीडियो, और फायर टीवी शामिल हैं।

वेलेंटाइन डे पर प्रियतमा को देने के लिए सबसे प्यारा उपहार

मुंबई। वैलेंटाइन डे (14 फरवरी) जब प्रेमी जोड़े एक दूसरे को बधाई और उपहार देकर अपना प्यार जताते हैं। उनकी समानताओं को देखते हुए, यह सुझाव दिया गया है कि इस छुट्टी की उत्पत्ति रोमन त्योहार

वैलेंटाइन डे से हुई है ।लूपरकेलिया, फरवरी के मध्य में आयोजित किया जाता है। वैलेंटाइन डे प्यार का इजहार तोहफों के साथ करने का सबसे खूबसूरत मौका होता है और अपने लाइटवेट व ट्रेंडी ज्वेलरी के लिए मशहूर केनडियर बाय कल्याण ज्वेलर्स लाया है एक ऐसा कलेक्शन जो आपके दिल को छू लेगा। इसमें आपको मिलेंगी ट्रेंडी रिंग, कूल व स्टाइलिश ब्रेसलेट और क्यूट पेंडेंट, हर एक चीज इतनी खूबसूरत कि देखते ही प्यार हो जाए! और सबसे अच्छी बात, इनकी कीमत भी किफायती है यानी अपने प्यार का इजहार करना अब और भी आसान हो गया है। आजकल के कपल्स के लिए डिजाइन किया गया ये कलेक्शन स्टाइल और प्यार का एकदम सही मेल है। यकीन मानिए इनमें से हर एक गिफ्ट एक अनमोल याद बन जाएगा, हमेशा के लिए! 'एंटवाइंड इन लव डायमंड एंड जेमस्टोन पेंडेंट विद चेन' इस वेलेंटाइन डे पर प्रियतमा को देने के लिए एक सबसे प्यारा और दिल को छूने वाला उपहार है ।रोज गोल्ड में तैयार यह सुंदर पेंडेंट दो दिलों का खूबसूरत मिलन है। दिल के आकार का डिजाइन रोमांस और प्रेम की अमरता का प्रतीक है। इसे झिलमिलाते डायमंड और रोज गोल्ड जेमस्टोन से सजाया गया है, जो हर क्षण को एक जादुई चमक से भर देता है। 'लविंग हार्ट डायमंड एंड जेमस्टोन पेंडेंट विद चेन' रोज गोल्ड में निर्मित यह मोहक पेंडेंट एक नाजुक ओपन हार्ट के डिजाइन में है, जिसे चमकते हुए डायमंड और जेमस्टोन से सजा कर हर क्षण में एक बेजोड़ और प्यारी चमक भर दी गई है। रोजमर्रा के उपयोग या विशेष अवसरों के लिए उपयुक्त यह हल्का और आकर्षक आभूषण वैलेंटाइन डे के लिए एक आदर्श उपहार साबित हो सकता है।

अरुणाचल प्रदेश के दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने की सफल पहल

मुंबई। अरुणाचल प्रदेश के दूरदराज के इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य से 'कैंसर मुक्त जागरूकता अभियान' के तहत सिंगचुंग (28 जनवरी) और थ्रिजिनो (29 जनवरी) में निःशुल्क कैंसर जांच और स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों के लिए स्टेट कैंसर सोसाइटी की कैंसर स्क्रीनिंग वैन का उपयोग डॉ. सैम त्सेरिंग (नोडल अधिकारी) के विशेष प्रयासों से किया गया। यह अभियान विधायक तेनज़िन न्यिमा ग्लोव (6-थ्रिजिनो बुरगांव विधानसभा) के सौजन्य से आयोजित किया गया। सिंगचुंग स्वास्थ्य शिविर (28 जनवरी 2025) इस शिविर का उद्घाटन एडीसी सिंगचुंग मुर्निया काकी के हाथों हुआ। इस अवसर पर प्रमुख अतिथियों में जुमतेर ग्लोव (विधायक तेनज़िन न्यिमा ग्लोव की पत्नी), डॉ. ड्रोमा (टड, उलउ सिंगचुंग) और स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे। कुल मरीजों की जांचः128 सोनोग्राफी जांचः 45 थ्रिजिनो स्वास्थ्य शिविर (29 जनवरी 2025) इस शिविर का उद्घाटन वरिष्ठ नेता इंजी. बॉनी

शक्रिन्सो द्वारा किया गया। इस अवसर पर एडीसी थ्रिजिनो टोपिक काकी डॉ. किरेन देरु) और अन्य स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित थे। कुल मरीजों की जांच:237 सोनोग्राफी जांच:75 इस पहल में टक्ळहर की ओर से चेयरमैन खांडू थुंगोन, छबी सहयोग फाउंडेशन की ओर से महासचिव पार्थो रॉय, वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. बी.के. पाटिल, वरिष्ठ स्वास्थ्य प्रशासक एवं अभियान संरक्षक डॉ. अविनाश गारगोटे, डॉ. दिव्या श्रीनिवास तथा देव देश प्रतिष्ठान की ओर से डॉ. रविंद्र कांबळे, डॉ. स्नेहा भट्टे और जयगणेश लिंगाथार उपस्थित रहे। इस सफल अभियान पर अभियान संरक्षक डॉ. वैभव देवगिरकर (अध्यक्ष - देव देश प्रतिष्ठान) और प्रधान संरक्षक पी.के. थुंगोन (अरुणाचल प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री) ने संपूर्ण टीम के प्रयासों की सराहना की। दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की जरूरत वेस्ट कामेंग जिले के कई क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं, जिसके कारण नागरिकों को समय पर बीमारी का निदान और उपचार नहीं मिल पाता। 'कैंसर मुक्त जागरूकता अभियान' के अंतर्गत इन दुर्गम इलाकों के नागरिकों को निःशुल्क जांच और उपचार की सुविधा प्रदान की जा रही है।

ग्लोब टेक्सटाइल्स का राइट्स इश्यू पहले ही दिन 14.69% सब्सक्राइब हुआ

मुंबई। ग्लोब टेक्सटाइल्स (इंडिया) लिमिटेड (एनएसई-ग्लोब) के 4,504 लाख रुपये के राइट्स इश्यू को पहले ही दिन 14.69% का सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ। कंपनी टेक्सटाइल प्रोडक्शन, सूती प्रिंटेड फैब्रिक्स, होम टेक्सटाइल्स और फैंसी फैब्रिक्स के उत्पादन में अग्रणी प्लेयर है।

राइट्स इश्यू 24 जनवरी को खुला था और अब 6 फरवरी को बंद होगा। शेयर मूल्य 3 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है, जबकि 24 जनवरी को खुलते ही शेयर का बाजार मूल्य 3.78 रुपये था। 17 जनवरी 2025 की रिकॉर्ड तिथि पर पात्र शेयरधारकों को 1:2 के अनुपात में शेयर मिलेंगे (हर दो शेयरों पर एक नया शेयर। राइट्स एंटाइटलमेंट के तहत नए निवेशक भी इस इश्यू में भाग ले सकते हैं। ग्लोब टेक्सटाइल्स के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर भाविक पारिख ने कहा, पहले ही दिन लगभग 15% सब्सक्रिप्शन मिलना हमारी कंपनी में निवेशकों के विश्वास को दशार्ता है। इस राइट्स इश्यू के माध्यम से हम स्ट्रेटेजिक एक्सपान्शन और एक्विजिशन के लिए जरूरी फंड जुटाना चाहते हैं, जिससे लोन्ग टर्म ग्रोथ संभव होगा। सितंबर 2024 तिमाही में कंपनी का नेट प्रोफिट 380 लाख रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 134 लाख रुपये था। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में कंपनी ने 652 लाख रुपये का नेट प्रोफिट अर्जित किया, जो पूरे वित्त वर्ष 2023-24 के 575 लाख रुपये से अधिक है। कंपनी की दूसरी तिमाही की ग्रोस इन्कम 15,019 लाख रुपये रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 10,611 लाख रुपये थी।

TSMH त्रिभुवन सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल
डा0 जयेश सिंह
डा0 स्पृहा सिंह
M.D.D.S., MD (Pt. JNM Raipur)
CCEBDM (Diabetes)
आयुष्मान कार्ड द्वारा नवजात शिशु, बच्चों एवं व्यस्को का निःशुल्क इलाज।
पूर्वांचल के एक मात्र सुपरस्पेसिलिस्ट नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ
पता- दिवानी कचहरी, अम्बेडकर तिराहा, जौनपुर | 05452-356274, 7992031213, 9026551423

जीवन रक्षा हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर
डा0 नवीन कुमार सिंह
M.B.B.S., M.S. (Ortho)
हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा0 शिल्पी सिंह
M.B.B.S., M.S. (Obs & Gyn)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की सुविधा उपलब्ध
24/7 Emergency Service
प्रत्येक गुरुवार निःशुल्क ओ0पी0डी0
संपर्क करें- 6390303050
हड्डी रोग विभाग
स्त्री एवं प्रसूति विभाग
पुलिस चौकी के सामने, सिपाह, आजमगढ़ रोड, जौनपुर